MUMBAI TARANG

मुंबई तरंग

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

www.mumbaitarang.com

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल
उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-03 ❖ अंक-17 ❖ मुंबई ❖ रविवार 17 से 23 अप्रैल 2022 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

दुआ कभी साथ नही छोड़ती
और
बद्दुआ कभी पीछा नही छोड़ती।
जो दोगे वही लौटकर आएगा।
फिर चाहे वह इज़्ज़त हो
या धोखा।

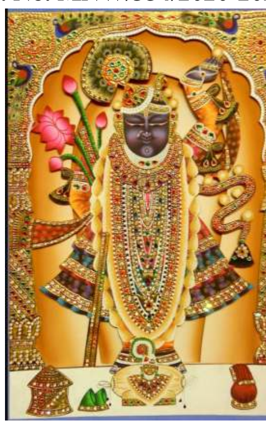

पेज 3
पश्चिम रेलवे का 67वां रेल सप्ताह 161 व्यक्तिगत पुरस्कार से सम्मानित

पेज 5
मोरबी में हनुमान मूर्ति का अनावरण:3 साल में बनी 108 फीट की मूर्ति; मोदी बोले- हनुमान ने हमेशा सफलता का श्रेय भगवान राम को दिया

पेज 7
हिंदी सिनेमा में फिर हीरो बनने की सोनू सूद की कोशिशें बेकार, लौटकर फिर पहुंचे तेलुगू में विलेन बनने

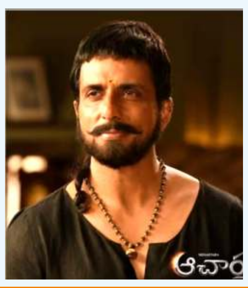

पेज 8
भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की 131वीं जयंती धूमधाम से मनायी गयी

सोमैया पर नया बम फोड़ने वाले हैं राउत

शिवसेना सांसद ने कहा-किरीट के परिवार ने किया 100 करोड़ का 'टॉयलेट घोटाला

राज्यसभा सांसद संजय राउत द्वारा बीजेपी नेता किरीट सोमैया पर आरोप लगाने का सिलसिला जारी है। शुक्रवार को राउत ने सोमैया परिवार का 100 करोड़ का 'टॉयलेट घोटाला' करने का आरोप लगाया। शिवसेना प्रवक्ता ने कहा कि उनके पास इस बात के पुख्ता सबूत हैं कि सोमैया ने घोटाला किया है। इसके सबूत वे जल्द मीडिया के सामने रखंगे।

राउत ने फिर दोहराया कि आज नहीं तो कल INS विक्रांत घोटाला के मामले में किरीट सोमैया जेल जाकर रहेंगे। इसी के साथ उन्होंने पूर्व CM देवेंद्र फडणवीस पर भी निशाना साधते हुए कहा कि वे अन्य मामलों की तरह INS घोटाले को लेकर भी ट्वीट करें।

टॉयलेट घोटाले के सारे सबूत मेरे पास: राउत

संजय राउत ने कहा,'अब मैं इस महाशय का एक टॉयलेट घोटाला सामने लाने वाला हूं। मीरा भाईंदर महानगरपालिका और महाराष्ट्र के अन्य इलाकों में करोड़ों का टॉयलेट घोटाला हुआ है। मतलब सोचिए ये कहां-कहां पैसे खा सकते हैं। विक्रांत से लेकर टॉयलेट तक।' राउत ने आगे कहा, 'ये किरीट सोमैया ही हैं। इस संदर्भ में कागजात सुपुर्द किए जा चुके हैं, मेरे पास इसके सारे सबूत हैं।

युवा प्रतिष्ठान के नाम से जो संस्था ये और इनके परिवार की ओर से चलाया जा रहा था, उसके माध्यम से 100 करोड़ का टॉयलेट घोटाला हुआ है।

झूठे बिल बना जमा किए पैसे : राउत

आगे संजय राउत ने कहा, 'इस घोटाले से जुड़े कागजात को देखकर मुझे हंसी आई। झूठे बिल, पर्यावरण के नाम पर किए गए इस घोटाले में पैसे कैसे निकाले गए, इसकी जानकारी बाहर आएगी।

पवार से सवाल करने वाले इस घोटाले पर भी ट्वीट करें: राउत

राउत ने कहा कि शरद पवार पर फडणवीस ट्वीट पर ट्वीट कर रहे हैं। एकाध ट्वीट वे आईएनएस विक्रांत पर भी कर दें। एकाध ट्वीट वे टॉयलेट घोटाले पर भी कर दें, जिसका खुलासा हम करने वाले हैं। 100 करोड़ से ज्यादा का है यह टॉयलेट घोटाला।' बता दें कि गुरुवार को फडणवीस ने एक के बाद एक 14 ट्वीट कर एनसीपी चीफ शरद पवार से सवाल पूछे थे। इसी पर राउत ने पलटवार किया है।

कहर बरपा रहा हीट स्ट्रोक

अलर्ट मोड पर महाराष्ट्र

मुंबई। महाराष्ट्र में हीट स्ट्रोक कहर बरपा रहा है। ४० डिग्री पार पहुंच चुका गर्मी का पारा आग उगल रहा है। इससे अब तक ११ लोगों की मौत हो चुकी है। इतना ही नहीं १०० से अधिक ऐसे लोग हैं, जो हीट स्ट्रोक के शिकार हुए हैं और उनका अस्पतालों में इलाज चल रहा है। ऐसे में चढ़ते पारे को देखते हुए महाराष्ट्र सरकार पहले से ही अलर्ट मोड पर काम कर रही है। इसी क्रम में राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने सभी मनपाओं, नपाओं और नगर पालिकाओं को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा जिला स्तरीय समन्वय समिति स्थापित करने का भी निर्देश मनपा आयुक्तों को दिया गया है। स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. प्रदीप व्यास के मुताबिक हीट स्ट्रोक कृति प्रारूप तैयार करने की प्रक्रिया जारी है।हीट स्ट्रोक से जूझ रहा है विदर्भ और मराठवाड़ा डॉ. प्रदीप व्यास के मुताबिक हीट स्ट्रोक से सबसे अधिक विदर्भ और मराठवाड़ा के लोग जूझ रहे हैं। यहां मृतकों की संख्या अधिक है। ऐसे में कृति प्रारूप तैयार करने की प्रक्रिया शुरू है। इसके साथ ही भीषण और जानलेवा गर्मी से बचने के लिए मार्गदर्शक सूचनाएं तय की जा चुकी हैं, जिसका पालन करने का निर्देश मनपाओं और नपाओं को दी गई है। हीट स्ट्रोक की परिस्थिति से निबटने के लिए नोडल अधिकारी की भी नियुक्ति की जाएगी।अस्पतालों में स्वतंत्र प्रबंध डॉ. व्यास के मुताबिक अस्पतालों में हीट स्ट्रोक के मरीजों का उपचार करने के लिए स्वतंत्र कक्ष की स्थापना की जाएगी। इसमें जरूरत के अनुसार एसी, कूलर और पंखे लगाए जाएंगे। वहीं बीमारी के इलाज में उपयुक्त लोरोजेमैप और डायजेमैप नामक दवाओं का समुचित मात्रा में भंडारण किया जाएगा। इतना ही नहीं हीट स्ट्रोक के शिकार मरीजों को एंबुलेंस में ठंडे पानी और आइस पैक का भी प्रबंध किया जाएगा। डॉ. व्यास के अनुसार इस संदर्भ में निर्देश दिए गए हैं। बस, रेलवे स्टैंड, बाजारों, धार्मिक स्थलों, बैंकों, पेट्रोल पंपों, मुख्य मार्गों आदि सार्वजनिक स्थलों पर पेयजल का प्रबंध करने की सूचनाएं दी गई हैं। छाया में आराम के लिए स्थान तैयार करने, कार्यालयों और स्कूलों के कामकाज के समय में बदलाव करने, बागीचों, धार्मिक स्थलों, धर्म शालाओं को लोगों के लिए खुला रखने, टेरेस पर ऊष्मा विरोधी रंग लगाने आदि को लेकर लोगों को जागरूक करने का भी निर्देश दिया गया है।

एमबीएमटी सेवा में शामिल होंगी 25 ई-बसें... रुपए 8 करोड़ किए जाएंगे खर्च

भायंदर। मीरा-भायंदर महानगरपालिका परिवहन सेवा (एमबीएमटी) में भाड़े पट्टा करार (वेटलीज) पर २५ ई-बसें समाविष्ट करने का निर्णय लिया गया है। इन ई-बसों की खरीदारी के लिए मनपा ने राज्य सरकार के १५वें वित्त आयोग से प्राप्त अनुदान में से ८ करोड़ रुपए खर्च करने की तैयारी की है, ऐसी जानकारी मनपा सूत्रों से प्राप्त हुई है।

वर्तमान में मनपा की परिवहन सेवा में कुल ७४ बसें चल रही हैं, जिनमें ५ वातानुकूलित, १० मिनी बस और ५९ सामान्य बसों का समावेश है। इनमें से करीब ७० बसें नियमित प्रवासी सेवा में संलग्न रहती हैं, वहीं ५ बसों को तकनीकी कारणों से रिजर्व रखा जाता है। प्रवासी सेवा में बसों की संख्या कम नहीं पड़े, इसलिए मनपा ने ५० बसें खरीदने का निर्णय लिया है, जिसमें २५ बस पारंपरिक ईंधन पर तो २५ ई- बस का समावेश है। एमबीएमटी में प्रवासियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए मनपा आयुक्त दिलीप ढोले और तत्कालीन परिवहन समिति ने केंद्र सरकार से कई बार पत्र व्यवहार के १०० ई-बस खरीदने के लिए अनुदान की मांग की थी, जिसे केंद्र सरकार ने स्वीकृति नहीं दी। इसके बाद राज्य सरकार के पर्यावरण विभाग से पत्र व्यवहार किया गया था। इसी दौरान राज्य सरकार ने वर्ष २०२५ तक सभी शासकीय व प्रशासकीय वाहनों को ई-व्हीकल में परिवर्तित करने का आदेश जारी किया है। इसी के अनुरूप मनपा प्रशासन ने २५ ई-बस भाड़े पट्टा करार (वेटलीज) पर परिवहन सेवा में समाविष्ट करने का निर्णय लिया है। इन ई-बसों की खरीदारी के लिए राज्य सरकार के पर्यावरण विभाग ने मनपा को १५वें वित्त आयोग से पर्यावरणपूरक उपाय योजना के लिए २३ करोड़ रुपए का अनुदान मंजूर किया है। मनपा ने राज्य सरकार के मेरी वसुंधरा अभियान अंतर्गत पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने के उद्देश्य से ई-बस वेटलीज पर परिवहन सेवा में शामिल करने का निर्णय लिया है। इन बसों को ठेकेदारों के माध्यम से खरीदी कर जीसीसी तत्व में परिचालन करने का प्रस्ताव मंजूरी के लिए आगामी महासभा में सादर की जाएगी।

ठाणे में जानलेवा बना नमक

नाश्ते में डाला ज्यादा नमक, नाराज पति ने गला घोट की पत्नी की हत्या

महाराष्ट्र के ठाणे से फिर एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां के भायंदर टाउनशिप में एक व्यक्ति ने नाश्ते में ज्यादा नमक डालने से नाराज होकर अपनी 40 वर्षीय पत्नी को मौत के घाट उतार दिया। वारदात शुक्रवार को भायंदर पूर्व के फाटक रोड इलाके में हुई। पुलिस ने शनिवार को बताया कि वारदात के बाद देर रात आरोपी को पकड़ लिया गया है। बता दें कि एक दिन पहले ठाणे में ही एक ससुर ने नाश्ते के साथ चाय नहीं देने पर अपनी बहू को गोली मार दी थी।

मीरा भायंदर-वसई विरार पुलिस कमिश्नरी के एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी की पहचान 46 वर्षीय नीलेश घाघ के रूप में हुई है। नाश्ता में उसे खिचड़ी दी गई थी और उसमें नमक ज्यादा था। इसके बाद हुए विवाद में आरोपी ने सुबह करीब नौ बजकर 30 मिनट पर अपनी पत्नी निर्मला की कपड़े से गला घोंटकर हत्या कर दी।

अकसर दोनों के बीच होता था झगड़ा

हत्या की जानकारी पड़ोसियों ने पुलिस को दी थी। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया। भायंदर के नवघर पुलिस थाना में आरोपी के खिलाफ IPC की धारा 302 (हत्या) के तहत मामला दर्ज किया गया है। उसने अपना गुनाह कबूल कर लिया है। आरोपी ने बताया कि अकसर छोटी-छोटी बातों को लेकर उसका पत्नी से झगड़ा हुआ करता था। गौरतलब है कि इसी तरह की एक घटना बृहस्पतिवार को हुई थी जहां समय पर चाय के साथ नाश्ता नहीं परोसने से नाराज ससुर ने बहु की कथित तौर पर गोली मार दी थी।

लाउडस्पीकर पर लाउड पॉलिटिक्स

आदित्य ठाकरे बोले- राज ठाकरे महंगाई का मुद्दा उठाए

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) चीफ राज ठाकरे के ईद तक मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाने के अल्टीमेटम दिया है। इस पर उनके भतीजे और महाराष्ट्र सरकार में पर्यावरण और पर्यटन विभाग के मंत्री आदित्य ठाकरे ने तंज कसते हुए कहा कि लाउडस्पीकर हटवाने के बजाय उन्हें (राज ठाकरे को) बढ़ती महंगाई का मुद्दा उठाना चाहिए। पेट्रोल, डीजल और CNG के बारे में बोलना चाहिए। उन्हें हाल के 2-3 सालां पर ध्यान देना चाहिए, न कि पिछले 60 साल पर।

राज ठाकरे के बयान पर NCR नेता शरद पवार, शिवसेना सांसद संजय राउत भी राज ठाकरे पर तंज कस चुके हैं। इधर, राज ठाकरे के ऐलान के बाद महाराष्ट्र में कई जगहों पर मनसे कार्यकर्ताओं ने लाउडस्पीकर पर हनुमान चालीसा बजाई। यहां तक कि दादर में शिवसेना मुख्यालय के बाहर भी गाड़ी के ऊपर लाउडस्पीकर लगाकर पहुंच गए। पुलिस ने गाड़ी को जब्त करते हुए चार लोगों को गिरफ्तार किया है।

माटुंगा स्टेशन के पास पटरी से उतरी दादर-पुडुचेरी एक्सप्रेस

माटुंगा, महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई के पास माटुंगा स्टेशन पर शुक्रवार रात को सीएसएमटी गडग एक्सप्रेस से टकराने के बाद दादर-पुडुचेरी एक्सप्रेस के तीन डिब्बे पटरी से उतर गए थे जिसके कारण स्टेशन पर सामान्य सेवा शनिवार को बाधित है। मध्य रेलवे की ओर से उम्मीद जताई गई है कि आज दोपहर तक सेवाएं सामान्य हो गई है। दोनों ट्रेन हैं रद, तीन दिनों के भीतर यात्री करा लें अपना रिफंड उल्लेखनीय है कि मुंबई सीएसएमटी गडग एक्सप्रेस से टकराने के बाद दादर-पुडुचेरी एक्सप्रेस के तीन डिब्बे पटरी से उतर गए थे। इस घटना में अब तक किसी के जख्मी होने की सूचना नहीं है। रेलवे पुलिस कमिश्नर कैसर खालिद ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद ही मौके पर पुलिस पहुंच गई और यात्रियों को तुरंत सुरक्षित निकाला गया। सेंट्रल रेलवे ने हेल्पलाइन नंबर जारी किया है। फिलहाल दोनों ट्रेनों दादर पुडुचेरी एक्सप्रेस और CSMT-गडग एक्सप्रेस को रद कर दिया गया है। सेंट्रल रेलवे के सीपीआरओ ने बताया, 'अगले तीन दिनों के बीच किसी भी पीआरएस केंद्र पर रद किए गए ट्रेन के लिए यात्री रिफंड के लिए आवेदन कर सकते हैं।

कोविड केस मिलने पर अस्थायी तौर पर बंद करें स्कूल

शिक्षा मंत्री सिसोदिया ने कहा- बच्चों की सुरक्षा से समझौता नहीं

नई दिल्ली

राजधानी में लगातार कोरोना संक्रमण बढ़ रहा है। इसके मुद्देजनर क्या स्कूल पूरी तरह बंद हो जाएंगे या फिर कोविड प्रोटोकाल के तहत खुले रहेंगे इसकी स्थिति पूरी तरह साफ हो गई है। बच्चों की सेहत को लेकर अभिभावक परेशान थे इसको देखते हुए दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने शुक्रवार को कहा कि स्कूलों या कक्षाओं के जिस हिस्से में कोविड-19 के मामले सामने आएं, उसे अस्थाई रूप से बंद कर दिया जाना चाहिए।

साथ ही, उन्होंने स्पष्ट किया कि विशेष परिस्थितियों में समूचे स्कूल को बंद किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बच्चों की सुरक्षा को लेकर कोई कोताही नहीं बरती जाएगी। अमुमन देखा गया है कि स्कूल कोविड संक्रमण के मामले सामने आने पर उसे छुपता ताकि उनकी बदमानी न हो। इसके लिए कोर्ट भी फटकार लगा चुका है कि अभिभावकों को कोरोना संक्रमण के बारे सही और पूरी जानकारी दी जाए। सिसोदिया ने संवाददाता सम्मेलन के दौरान एक सवाल के जवाब में कहा, हमने एकाएक स्कूलों को बंद करने को नहीं कहा है। हमारे दिशानिर्देश कहते हैं कि किसी खास हिस्से या कक्षा को अस्थाई रूप से बंद किया जाना चाहिए, जहां कोई व्यक्ति कोविड-19 पॉजिटिव पाया गया हो। स्कूल उन विशेष परिस्थितियों में पूरे परिसर को बंद करने का फैसला ले सकते हैं जिनमें संक्रमित विद्यार्थी या अध्यापक स्कूल के कई हिस्सों से हों। हमने इसे विकेंद्रीकृत कर दिया है। शिक्षा निदेशालय ने 13 अप्रैल को कोविड पर राष्ट्रीय राजधानी में स्कूलों को एक नया परामर्श जारी कर उन्हें निर्देश दिया कि यदि किसी छात्र या अध्यापक के संक्रमित होने की पुष्टि होती है तो पूरे परिसर या खास हिस्से को बंद कर दिया जाए। निदेशालय ने यह भी कहा कि छात्र और अध्यापक मास्क पहनें और आपस में यथासंभव

सरकारी अस्पतालों में जल्द मिलेगी निशुल्क तीसरी डोज

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने शुक्रवार को कहा कि कोरोना वायरस रोधी टीके की एहतियात खुराक (तीसरी डोज) उसके अस्पतालों में लोगों को जल्द ही निशुल्क दी जाएगी। दिल्ली सरकार ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि वह अपने सरकारी अस्पतालों में एहतियाती खुराकें जल्द ही लोगों को निशुल्क उपलब्ध कराएगी। बयान में कहा गया है, लोगों ने पहली और दूसरी खुराक जिस टीके की ली थी, उसकी टीके की एहतियाती खुराक दी जाएगी और उन लोगों को एहतियाती खुराक दी जाएगी, जिन्हें दूसरी खुराक लिए नौ महीने पूरे हो गए हैं। भारत में 18 वर्ष से अधिक आयु के सभी लोगों को रविवार को निजी केंद्रों पर देनी शुरू की गई थी।

20 को होगी समीक्षा बैठक

सिसोदिया ने कहा, हम 20 अप्रैल को डीडीएमए की अपनी अगली बैठक में कोविड की स्थिति की समीक्षा करेंगे। बैठक में, विशेषज्ञ दिल्ली के संदर्भ में अपने अवलोकन एवं विश्लेषण प्रस्तुत करेंगे। इससे हमें सही फैसला लेने में मदद मिलेगी। शहर के स्वास्थ्य विभाग द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली में बृहस्पतिवार को कोविड के 325 नए मामले सामने आए, जबकि संक्रमण दर 2.39 प्रतिशत रही। महामारी के चलते दो साल के अंतराल के बाद ऑफलाइन कक्षाएं पूरी तरह से फिर से शुरू होने के कुछ ही हफ्तों के अंदर स्कूलों में संक्रमण के मामले बढ़ने की खबरों ने चिंता बढ़ा दी है।

रखरखाव के चलते कल ब्लू लाइन मेट्रो सेवा कुछ घंटे रहेगा निलंबित

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो के व्यस्त ब्लू लाइन के एक खंड पर दिल्ली मेट्रो का संचालन रविवार को शुरुआती कुछ घंटों में उपलब्ध नहीं होगा, क्योंकि इस खंड पर नियोजित रखरखाव कार्य होना है।

प्रभावित खंड इस कॉरिडोर के राजीव चौक और करोलबाग मेट्रो स्टेशनों के बीच होगा। अधिकारियों ने बताया कि ब्लू लाइन पर निर्धारित ट्रैक रखरखाव का काम करने के लिए रविवार की सुबह ट्रेन सेवाओं को कुछ समय के लिए विनियमित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि राजस्व सेवाएं शुरू होने से लेकर सुबह सात बजे तक राजीव चौक और करोलबाग स्टेशनों के बीच ट्रेन सेवाएं निलंबित रहेंगी। उन्होंने कहा कि इसलिए दो मेट्रो स्टेशन रामकृष्ण आश्रम मार्ग और झंडेवालान, खंड में ट्रेन सेवाओं के फिर से शुरू होने तक यानी सुबह 7 बजे तक बंद रहेंगे।

दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने कहा कि नोएडा इलेक्ट्रॉनिक सिटीवैशाली-राजीव चौक और करोल बाग-द्वारका सेक्टर-21 के बीच मेट्रो सेवाएं उपलब्ध रहेंगी।

कोविड: कोताही नहीं चलेगी

दिल्ली, मुंबई और हरियाणा में कोविड-19 के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। दिल्ली में बुधवार को 299 लोग पॉजिटिव पाए गए। इससे एक दिन पहले इनकी संख्या 202 थी। 10 मार्च के बाद पहली बार राजधानी में मरीजों की संख्या 200 से ऊपर पहुंची है। मुंबई में बुधवार को कोविड-19 के 73 नए मरीज मिले। यह 17 मार्च के बाद इनकी सबसे अधिक संख्या है। हरियाणा में 5 मार्च के बाद बुधवार को सबसे अधिक 179 मरीज पॉजिटिव पाए गए। पहली नजर में यह संख्या कम लगती है, लेकिन बुधवार के आंकड़ों के हिसाब से दिल्ली में पॉजिटिविटी रेट 2.49 फीसदी है, जो पिछले तीन महीने का पीक है। एक अहम बात यह भी है कि अभी बहुत अधिक टेस्ट नहीं हो रहे। जैसे, दिल्ली में 12 हजार से अधिक मरीजों की जांच में 299 लोग पॉजिटिव मिले। इसलिए मरीजों की असल संख्या इससे कहीं अधिक हो सकती है। फिर भी इन आंकड़ों से इतना तो पक्का है कि सरकारी एजेंसियों और लोगों को सावधान हो जाना चाहिए। देश में चौथी लहर की आशंका पहले जताई जा चुकी है और अभी दुनिया के कई देशों में वायरस का संक्रमण काफी तेज है। ऐसे में कोविड प्रोटोकॉल, सोशल डिस्टेंसिंग और मास्क लगाने को लेकर सचेत हो जाना चाहिए। इसके साथ राहत की बात यह है कि हालिया मामलों में बहुत कम लोगों को अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत पड़ रही है। इसलिए घबराने की जरूरत नहीं है। लेकिन यह बात भी सच है कि कोविड-19 वायरस के नए वेरिएंट आने का खतरा बना हुआ है। ऐसी स्थिति में वैक्सीन की प्रिकॉशन डोज बहुत कारगर साबित हो सकती है। सरकार ने हाल में इसका दायरा बढ़ाया है, जिस पर पिछले रविवार से अमल शुरू हुआ। 18 साल से ऊपर के सभी लोग इसके लिए योग्य हैं, लेकिन अभी तक इस अभियान में तेजी नहीं आई है। इसके दो कारण हैं। पहला, दूसरी डोज के बाद 9 महीने का गैप प्रिकॉशन डोज के लिए अनिवार्य शर्त है। इसे घटाकर 6 महीने किया जाना चाहिए। असल में, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जो भी शोध हुए हैं, उनसे पता चलता है कि डोज लगने के 6 महीने बाद इम्यूनिटी कमजोर पड़ने लगती है। 9 महीने के गैप के साथ 18-59 साल आयु वर्ग में 2.9 करोड़ लोग बूस्टर डोज के योग्य हैं, जबकि 6 महीने के गैप से यह संख्या बढ़कर 19.2 करोड़ हो जाएगी। दूसरी दिक्कत यह है कि अभी प्रिकॉशन डोज सिर्फ निजी टीका केंद्रों पर लगाए जा रहे हैं। इनकी कीमत भी ज्यादातर भारतीय परिवारों के लिए अधिक है। इसलिए अगर इन्हें सरकारी केंद्रों में मुहैया कराया जाए तो उससे टीकाकरण के इस दौर का दायरा बढ़ाने में मदद मिलेगी। इसलिए इन दोनों बाधाओं को दूर किया जाए।

PLEXCONCIL के निर्यात उत्कृष्टता पुरस्कार

किरीट ए. चावड़ा

प्लास्टिक उद्योग के लिए भारत की प्रमुख व्यापार संस्था PLEXCONCIL ने आज वाणिज्य और उद्योग उपभोक्ता मामलों के मंत्री श्री पीयूष गोयल की उपस्थिति में अपने निर्यात उत्कृष्टता पुरस्कार की मेजबानी की। महामारी की स्थिति के कारण दो साल के अंतराल के बाद। श्री गोयल के साथ आयकर आयुक्त आलोक सिंह भी थे। प्लास्टिक निर्यातकों के योगदान को सम्मानित करने के लिए पुरस्कार समारोह 2017 से 2021 तक आयोजित किया गया था।

PLEXCONCIL प्लास्टिक निर्यातकों को उनके योगदान और निर्यात व्यापार के प्रयासों के लिए प्रोत्साहित करने के लिए हर दो साल में इस पुरस्कार समारोह का आयोजन करता है। यह पुरस्कार पिछली बार दो साल पहले 2015 और 2017 के बीच प्लास्टिक निर्यातकों के योगदान के लिए आयोजित किए गए थे।

PLEXCONCIL 1955 से इस आयोजन की मेजबानी कर रहा है और यह पुरस्कार प्लास्टिक उद्योग के लिए सर्वोच्च महत्व का है।

आज वर्ष 2017-18, 2018-19 और 2020-21 के निर्यात प्रदर्शन के लिए 96 पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया गया।पहले PLEXCONCIL के लिए। उद्योग के दिग्गजों की विशिष्ट उपलब्धियों और योगदान को सम्मानित करने के लिए एक नई श्रेणी, 'लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड' शुरू की गई है। यह पुरस्कार नीलकमल लिमिटेड के अध्यक्ष वामनराय वी पारेख को दिया गया।

भारत का प्लास्टिक निर्यात 1955-56 में 16.5 मिलियन अमरीकी डालर से बढ़कर 2021-22 में 13 बिलियन अमरीकी डालर से अधिक हो गया, जो महामारी के कारण वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद लक्ष्य से अधिक है। उद्योग ने 2025 तक 25 बिलियन अमरीकी डालर का लक्ष्य रखा है जो वर्तमान निर्यात प्रदर्शन के आधार पर अच्छा प्रदर्शन कर रहा है।

आज भारत प्लास्टिक की चादरों और

फिल्मों का एक प्रमुख निर्यातक है, जिसमें बुने हुए बैग भी शामिल हैं। FIBC, प्लास्टिक ऑप्टिकल आइटम, चमड़े के कपड़े, प्लास्टिक मेडिकल डिस्पोजेबल, सजावटी टुकड़े टुकड़े, प्लास्टिक घरेलू सामान, प्लास्टिक पाइप और फिटिंग, लेखन उपकरण और रस्सियां और सुतली।

भारत दुनिया भर के 200 से अधिक देशों में प्लास्टिक उत्पादों का प्रमुख निर्यातक है। 2020-21 में, प्रमुख निर्यात गंतव्य संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन, संयुक्त अरब अमीरात, यूनाइटेड किंगडम, जर्मनी, नेपाल, इटली, बांग्लादेश, तुर्की और नाइजीरिया थे।

प्लास्टिक निर्यात उद्योग का प्रतिनिधित्व करने वाली शीर्ष संस्था के रूप में, Plexconcil ने प्लास्टिक उत्पादों के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में उद्योग को उजागर करने में दशकों में काफी प्रगति की है। जबकि भारत उनमें से एक बना हुआ है

प्लास्टिक कच्चे माल के बड़े निर्यातक और कई अन्य श्रेणियों में काफी पहचान हासिल की है, मूल्य वर्धित उत्पादों में समान स्थान हासिल करने के लिए लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं।

प्रस्तावित अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला, PLEXCONNECT 2023 का उद्देश्य प्लास्टिक निर्यातकों के लिए एक आदर्श और समर्पित मंच प्रदान करना है, जो एक अंतरराष्ट्रीय दर्शकों के लिए हमारी क्षमताओं और क्षमताओं को उजागर करने पर ध्यान केंद्रित करता है।

PLEXCONNECT का उद्देश्य हमारे बड़े M S M E खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेलों में वैश्विक खरीदारों से जुड़ने में मदद करना है।

"पिछले दो वर्षों में आपूर्ति श्रृंखला में वैश्विक व्यवधानों ने भारत पर स्पॉटलाइट को बदल दिया है, जिससे नए समुद्र खुल गए हैं।

हमारे उद्योग के लिए अवसर। इसके समर्थन में और भारत के निर्यात को बढ़ाने के लिए माननीय प्रधान मंत्री के दृष्टिकोण के अनुरूप, गोलिस कई देशों के साथ एफटीए (मुक्त व्यापार समझौते) पर हस्ताक्षर करने की प्रक्रिया में है, जो प्लास्टिक के प्रमुख निर्यातक भी हैं। भारत संयुक्त अरब अमीरात सीईपीएकेवल 88 दिनों की रिकॉर्ड गति से उद्योगों के साथ कई बातचीत के बाद हस्ताक्षर किए गए थे। भारत-ऑस्ट्रेलिया ईसीटीए की घोषणा की गई है और कनाडा, इज़राइल, यूके आदि सहित कई और एफआईए वार्ताएं चल रही हैं। हमारे देश के निर्यात में ऐतिहासिक 400 बिलियन अमरीकी डालर हासिल करना दूरदर्शी नेतृत्व, साहसिक और गतिशील नीतियों और प्रगति का प्रमाण है। PLEXCONCIL के अध्यक्ष श्री अरविंद गोयनका ने कहा, हम वर्षों से हमारे उद्योगों को सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के उदार समर्थन और प्रोत्साहन के लिए भारत सरकार के आभारी हैं।

पूरे पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं के बारे में विवरण PLEXCONNECT की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है। https://plexconcil.org/awards

भारत, अमेरिका की दोस्ती और गहरी हो

गणेश पाण्डेय

चाइनीज गूंगे-बहरे भी हो सकते हैं। तभी तो चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने अपनी हालिया यात्रा के दौरान पाकिस्तान और भारत में जो बयान दिए, उसमें जमीन-आसमान का फर्क था। पाकिस्तान में जहां उन्होंने इस्लामिक देशों के संगठन के कश्मीर पर दिए बयान से सहमति जताई वहीं भारतीय प्रतिनिधियों से बातचीत में कहा कि सीमा विवाद को फिलहाल भुला देना ही ठीक होगा। अमेरिका ने भी इधर चीन जैसी ही एक गलती की। बाइडन सरकार के डेप्युटी एनएसए (राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार) दलीप सिंह अचानक दिल्ली आ धमके। यहां उन्होंने रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों की जानकारी दी। यह बताया कि उनका भारत पर क्या असर हो सकता है? लगे हाथ यह भी कह गए कि अगर भारत ने रूस के साथ व्यापार नहीं घटाया तो उसका अंजाम भुगतना पड़ेगा। दलीप सिंह के इस बयान से हाल के हफ्तों में दोनों देशों की ओर से रिश्तों में बेहतरी की जो कोशिश हुई थी, उस पर पानी फिर गया।

यूक्रेन पर नहीं थी तैयारी

यह बात सही है कि रूस-यूक्रेन युद्ध कोई भारत की जंग नहीं है, लेकिन सच यह भी है कि इसे लेकर भारतीय पक्ष पूरी तरह से तैयार नहीं था। अब अगर यूक्रेन पर हमले से पहले व्लादिमार पुतिन की बयानबाजी को देखें तो उससे बहुत सारे संकेत मिल रहे थे। पुतिन ने कहा था कि यूक्रेन का अलग राष्ट्र के रूप में वजूद उन्हें मंजूर नहीं है। पुतिन ने यह भी कहा कि नैटो यूक्रेन के जरिये रूस की दहलीज तक पहुंचने की तैयारी कर रहा है। तब कई देशों को लग रहा था कि यूक्रेन की सीमा पर रूस अपनी फौज इसलिए इकट्ठी कर रहा है क्योंकि वह इसके जरिये नैटो के साथ अपने फायदे के लिए सौदेबाजी करना चाहता है।

भारत संयुक्त राष्ट्र में इस युद्ध को लेकर लाए गए 12 प्रस्तावों पर वोटिंग से बाहर रहा है, लेकिन यह भी सच है कि इस बीच उसके रुख में काफी बदलाव आया है। उसकी वजह यह है कि इस बीच रूस ने यूक्रेन में जो किया है, उसे सही ठहराना मुश्किल हो गया है। पिछले गुरुवार को भारत ने संयुक्त राष्ट्र में लाए जिस प्रस्ताव पर वोटिंग से बाहर रहने का फैसला किया, वह एक तरह से रूस का विरोध था। यूक्रेन में रूस की कार्रवाई से भारत नाराज है। पिछले हफ्ते जब रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव भारत आए थे, तब उन्हें इस बारे में बताया गया। यही वजह थी कि जो लावरोव आमतौर पर क्वाड और हिंद-प्रशांत पर बयानबाजी करते रहते हैं, वह इस यात्रा में इन मुद्दों को लेकर कुछ नहीं बोले।

युद्ध की वजह से रूस के साथ हथियारों, खाद, हीरों और तेल-गैस का व्यापार भी प्रभावित हो सकता है। उसकी वजह यह है कि

इनकी ढुलाई के लिए अंतरराष्ट्रीय इंश्योरेंस नहीं मिलने से ये सौदे कामयाब नहीं रह जाएंगे। अगर आप प्रतिबंधों को लेकर रूस और पश्चिमी देशों की बयानबाजी को रहने भी दें तो मार्केट फोर्सेज की वजह से इस तरह से सौदे पूरे नहीं किए जा सकेंगे। ऐसा ईरान और वेनेजुएला के मामले में दुनिया पहले ही देख चुकी है। सच पूछिए तो रूस के युद्ध के लिए पैसा आज यूरोप और चीन के साथ किए जा रहे सौदों से आ रहा है। इस साल भारत की रूस से तेल-गैस की खरीदारी उसकी कुल जरूरत के 2 फीसदी तक भी नहीं पहुंचेगी, जबकि अमेरिका के साथ इसके 11 फीसदी तक पहुंचने की उम्मीद है।

यहां एक यह सवाल उठता है कि यूक्रेन पर रूस के हमले को लेकर भारत-अमेरिका के रिश्तों पर कितना असर हुआ है? इस सिलसिले में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन का बयान महत्वपूर्ण है, जिसमें उन्होंने भारत के रुख को 'कुछ हिला हुआ' बताया था। लेकिन बुनियादी रूप से देखें तो भारत और अमेरिका के हित जुड़े हुए हैं। यह बात सही है कि यूक्रेन युद्ध को लेकर भारत ने एक हद तक रूस का साथ दिया है, लेकिन भारत में ऐसा मानने वालों की भी कमी नहीं है कि रूस ने खुद को आने वाले वक्त के लिए चीन का जूनियर पार्टनर बना लिया है। चीन, रूस का साथ भी नहीं छोड़ेगा क्योंकि दोनों का दुश्मन अमेरिका है। इसी वजह से भारत और रूस के बीच दूरियां बढ़ेंगी।

अमेरिका को भी समझना चाहिए कि जब वह अपने दुश्मनों पर सख्ती करता है तो उसकी कीमत भारत को चुकानी पड़ती है। पहले ईरान और अब रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों में यही हो रहा है। अफगानिस्तान से जब अमेरिकी फौज अचानक चली गई तो वह भी भारतीय हितों के मुताबिक ठीक नहीं था। इन मामलों से ना सिर्फ भारत की इकॉनमी को नुकसान हुआ बल्कि सामरिक लिहाज से भी यह ठीक नहीं है। भारत को भी यह देखना चाहिए कि दूसरे देशों के साथ उसके जो रिश्ते हैं, उनसे आने वाले वक्त में उसे कोई परेशानी तो नहीं होगी। भारत को यह बात स्पष्ट करनी होगी कि अंतरराष्ट्रीय मामलों में उसका रुख क्या है और वह किन देशों के साथ सहज महसूस करता है। हम लंबे समय से एक तिराहे पर खड़े हैं। इसे बदलना होगा।

भारत की चिंता करे यूएस

भारत की इकॉनमी पश्चिम केंद्रित हो रही है, जिसकी शुरुआत 1991 के आर्थिक सुधारों से हुई थी। लेकिन भारत के सुरक्षा हितों को लेकर पश्चिम ने कभी खास चिंता नहीं दिखाई। ना ही हथियारों के मामले में उनसे बहुत मदद मिली। यह हाल तब है, जबकि भारत इसके सभी बुनियादी समझौतों में शामिल है। इन सबके बीच अगर आज अमेरिका भारतीय रुख की आलोचना कर रहा है तो उसे ठीक नहीं कहा जा सकता। अमेरिका और भारत को आपसी रिश्तों की गहराई से समीक्षा करनी चाहिए। उसे और मजबूत बनाना चाहिए। भारत को औकस टेक्नॉलजी पार्टनरशिप का हिस्सा बनाकर अमेरिका इसकी शुरुआत कर सकता है। इसके साथ, भारत को भी अमेरिका पर अधिक भरोसा करना होगा। यह कहने से काम नहीं चलेगा कि भारत विदेश नीति को लेकर अलग ही लीक पर चलता रहेगा। भारत और अमेरिका दोनों को ही पता है कि असली दुश्मन चीन है।

आंबेडकर को भुनाया, सोच नहीं अपनाई

भूपेन्द्र पटेल

ब्रिटिश भारत के पचास बरस। आजाद भारत के पचास बरस। कुल मिलाकर 100 वर्षों में डॉ. भीमराव आंबेडकर की स्थिति अलग-अलग रही। समाजशास्त्रियों से लेकर राजनीतिक गलियारों में उनके बारे में जो स्वर उभरे, उनमें उन्हें नकारा अधिक गया और स्वीकारा कम। सामाजिक न्याय पर आंबेडकर का जो चिंतन था, उसे लेकर सवर्णों के बीच द्वंद्व रहा। लेकिन नई शताब्दी आते-आते भारतीय राजनीति का रंग बदलने लगा। वक्त उनकी बंद खिड़कियों और दरवाजों पर दस्तक दे रहा था और परंपरागत समाज के भीतर परिवर्तन लाने की गुहार भी लगा रहा था।

गांधी या आंबेडकर

एक बार महात्मा गांधी ने कहा भी था, 'आंबेडकर अगर पत्थर भी मारें तो मैं सह लूंगा।' वैसे, एक सीमा तक गांधी और गांधीवादियों ने आंबेडकर को सहा भी। इस तरह से आंबेडकर को झेलने वाली सवर्ण नेताओं की जमात बड़ी हुई। इससे देश, समाज का भला ही हुआ। इस तरह आंबेडकर के सामाजिक दर्शन को फिर से पढ़ने और समझने का दौर शुरू हुआ। कुछ ने इतिहास से सबक लिया। कुछ ने अपनी राजनीति से आंबेडकर को जोड़कर नई संभावनाओं की तलाश की। जिन्हें सत्ता तक पहुंचने की चाह थी, उनके लिए तो आंबेडकर को फिर से स्थापित करना बेहद जरूरी था। राजनीति के इसी टर्निंग पॉइंट के कारण बाबा साहब स्थापित होते गए।

शुरुआत में गांव-कस्बों से महानगर तक, पार्कों और चौराहों पर आंबेडकर की मूर्तियां लगाई गईं। स्कूल-कॉलेज के सिलेबस में बदलाव किए गए। आंबेडकर की जीवनी पढ़ाने का दौर शुरू हुआ। राज्यसभा में भी दलित प्रतिनिधियों का प्रवेश हुआ। विधानसभाओं से लेकर संसद तक में आंबेडकर को संविधान निर्माता से लेकर राष्ट्रनिर्माता कहने की प्रतिस्पर्धा अलग-अलग राजनीतिक दलों के मुखियाओं के बीच होने लगी। इस होड़ में गांधी पीछे छूटते गए, आंबेडकर आगे निकलते गए। कुछ राजनीतिक दलों का शीर्ष नेतृत्व ऐसा चाहता भी था। ये वे लोग थे, जो आजादी के 40-50 वर्षों तक राजनीति के बाजार में गांधी के नाम को कैश करते आए थे। आखिर ये लोग कब तक गांधी का नाम लेते?

कांग्रेस ने आंबेडकर को अपनी राजनीति से जोड़ने में जितनी देरी की, उतनी ही तेजी बीजेपी ने दिखाई। इसे जनपथ पर आंबेडकर प्रतिष्ठान और 26 अलीपुर रोड, दिल्ली पर बाबा साहब डॉ. आंबेडकर संग्रहालय से समझा जा सकता है। कांग्रेस ने इनके लिए योजना बहुत पहले बनानी शुरू कर दी थीं, लेकिन अमल में काफी देरी हुई। वैसे, 90 के दशक में वीपी सिंह के नेतृत्व में बनी केंद्र सरकार ने आंबेडकर जन्म शताब्दी समारोह मनाया। इसी संदर्भ में यह बताना जरूरी है कि महाराष्ट्र सरकार ने आंबेडकर की पांडुलिपियों और भाषणों को 'बाबा साहब डॉ. आंबेडकर संपूर्ण वाङमय' के नाम से प्रकाशित कराना भी शुरू किया। फिर शरद पवार जब महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री थे, तो उन्होंने औरंगाबाद में बाबा साहब डॉ. आंबेडकर विश्वविद्यालय की घोषणा की।

कम्युनिस्ट पार्टी के नेताओं ने आंबेडकर को ज्यादा तरजीह नहीं दी, जबकि केरल, पश्चिम बंगाल के साथ अन्य प्रदेशों में भी उनकी कई बार सरकारें बनीं। कम्युनिस्ट नेताओं ने ऐसा इसलिए किया क्योंकि वे जाति से अधिक वर्ग को अहमियत देते थे। यह बात और है कि इन राज्यों में दलितों के वोट से वे सरकार बनाते रहे।

जहां तक बीएसपी की बात है, सत्ता में आने के लिए कांशीराम और मायावती ने न केवल आंबेडकर को पूरी तरह से स्थापित किया बल्कि दलित वोटरों को जागरूक करने में भी कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। इससे यूपी में बीएसपी को कई बार सत्ता मिली। लेकिन आम दलितों को उनकी सरकार में क्या मिला, यह शोध का विषय है।अब आम आदमी पार्टी और केजरीवाल पर आते हैं। मानसिक रूप से सवर्ण नेता जब बाबा साहब का नाम लेते हैं तो दलितों के भीतर नई उम्मीदें जगती हैं। उन्हें लगता है कि अब उनके लिए समृद्धि के रास्ते खुलेंगे, उन्हें न्याय मिलेगा। दूसरे सवर्ण नेता सोचते हैं कि वे सबके लिए तो खुशहाली के दरवाजे खोल नहीं सकते, इसलिए वैसा कुछ किया जाए, जिससे दलित प्रभावित हों। केजरीवाल से दलित प्रभावित हुए भी। 'झाड़ू' चुनाव चिह्न रखना उनकी दूरदर्शिता थी। आप सरकार में सफाईकर्मियों को कितना कुछ मिला, यह तो वे ही जानें, लेकिन इतना जरूर है कि आप ने दलित वोटरों को आकर्षित किया। दिल्ली में वह फिर से सत्ता में आई। यहां तक कि दलितों ने बीएसपी को भी नकार दिया। जहां तक आंबेडकर की तस्वीरें सरकारी दफ्तरों में लगवाने की घोषणा का सवाल है तो यह घोषणा यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी की है।

लेकिन दलितों की शिक्षा, रोजगार के अवसर और उनके जीवनस्तर में बड़े बदलाव को लेकर गंभीरता से कम सोचा गया और अगर सोचा भी गया तो ईमानदारी से उस पर अमल नहीं हुआ। आजादी से अब तक हुए तमाम चुनावों को देखते हुए वोटर इतना तो समझ ही गए हैं कि हर चुनाव के बाद सामाजिक न्याय की धारा तो साल या छह माह ही बढ़ पाती होगी, अगले चार वर्षों में तो जनता के प्रतिनिधियों पर कॉरपोरेट हावी हो जाते हैं या सरकारें कॉरपोरेट अंदाज में काम शुरू कर देती हैं।

कुछ नहीं बदला

तब महापुरुषों की अधिक मूर्तियां बनने लगती हैं। कह सकते हैं कि उनके विचार पीछे छूटने लगते हैं। बस मूर्तियां रह जाती हैं। आंबेडकर के साथ भी ऐसा होता रहा है। यह पिछले 70 वर्षों से हो रहा है। दलितों की अस्मिता और सम्मान की भावना पीछे छूट जाती है। आगे आ जाता है द्वेष। इन सबके बीच दलितों का जीवन पहले जैसा ही रहता है। हां, विज्ञापनों के रूप में घोषणाएं जरूर होती हैं। आंबेडकर पर कौन सी पार्टी अधिक कब्जा कर पाती है, बस यही मकसद रह जाता है। आंबेडकर को 'शोपीस' बनाने की कोशिश। आखिर सामाजिक न्याय की राजनीति यहीं आकर खत्म क्यों हो जाती है? इसके आगे बहुत कुछ है। नेताओं को इस बारे में सोचना चाहिए। दलित समाज के बुद्धिजीवियों को भी।

पश्चिम रेलवे का 67वां रेल सप्ताह 161 व्यक्तिगत पुरस्कार से सम्मानित

मुंबई तरंग
गणेश पाण्डेय । मुंबई

> ➢ अहमदाबाद एवं रतलाम मंडल को मिली महाप्रबंधक की प्रतिष्ठित समग्र कार्यकुशलता शील्ड
> ➢ मुंबई सेंट्रल मंडल ने अगस्त क्रांति राजधानी एक्सप्रेस के रख-रखाव के लिए द्वितीय पुरस्कार सहित 7 शील्डेंप्राप्त कीं
> ➢ सर्वश्रेष्ठ सुधार शील्ड वडोदरोमंडल को मिली

पश्चिम रेलवे का 67वां रेल सप्ताह पुरस्कार समारोह बुधवार गत 13 अप्रैल, 2022 को वाई बी चव्हाण सभागार, चर्चगेट में आयोजित किया गया। यह पुरस्कार समारोह हर साल चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों की टीम की कड़ी मेहनत और समर्पण को स्वीकार्यता प्रदान करने के लिए आयोजित किया जाता है। कुशल अधिकारियों और कर्मचारियों में से कुछ चुनिंदा लोगों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया जाता है। यह न केवल अधिकारियों और कर्मचारियों को अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रोत्साहित करता है, बल्कि आने वाले वर्ष में दूसरों को भी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित करता है। रेल सप्ताह के दौरान विभिन्न श्रेणियों में मंडलों को कार्यकुशलता शील्डें भी प्रदान की जाती हैं। इस महत्वपूर्ण अवसर पर महाप्रबंधक अनिल कुमार लाहोटी ने सराहनीय सेवाओं के लिए 161 अधिकारियों और कर्मचारियों को कार्यकुशलता पदक, योग्यता प्रमाण पत्र और नकद पुरस्कार प्रदान किए। महाप्रबंधक श्री लाहोटी ने वर्ष 2021-22 के लिए प्रतिष्ठित महाप्रबंधक समग्र कार्यकुशलता शील्ड सहित विभिन्न क्षेत्रों में सर्वश्रेष्ठ चुने गए मंडलों और इकाइयों को 26 कार्यकुशलता शील्डें प्रदान कीं।

अहमदाबाद और रतलाम मंडलों ने सर्वश्रेष्ठ कार्य-निष्पादन के लिए वर्ष 2021-22 हेतु महाप्रबंधक की प्रतिष्ठित समग्र कार्यकुशलता शील्ड संयुक्त रूप से हासिल की और सर्वश्रेष्ठ सुधार शील्ड वडोदरा मंडल को प्रदान की गई। जनसंपर्क अधिकारी अनुसार मुंबई सेंट्रल मंडल ने ट्रैक्शन शील्ड, सुरक्षा शील्ड के साथ-साथ रोलिंग स्टॉक शील्ड भी जीतीं। अहमदाबाद डिपो ने सर्वश्रेष्ठ रख-रखाव वाली मेल/एक्सप्रेस ट्रेन अहमदाबाद-एकता नगर जनशताब्दी एक्सप्रेस के लिए प्रथम पुरस्कार जीता और मुंबई सेंट्रल डिपो को अगस्त क्रांति राजधानी एक्सप्रेस के लिए दूसरा पुरस्कार मिला। परिचालन शील्ड संयुक्त रूप से मुंबई सेंट्रल और रतलाम मंडल ने हासिल की, जबकि कार्मिक विभाग शील्ड मुंबई सेंट्रल और वडोदरा मंडल ने हासिल की। सर्वश्रेष्ठ रख-रखाव वाले रनिंग रूम के लिए रोलिंग शील्ड को अहमदाबाद मंडल के भीलडी ने जबकि इसमें मुंबई सेंट्रल मंडल के सूरत ने दूसरा स्थान हासिल किया। महालक्ष्मी कारखाना सर्वश्रेष्ठ यांत्रिक कारखाना शील्ड की विजेता रही।अहमदाबाद मंडल ने भावनगर मंडल के साथ अंतर मंडलीय स्वच्छता शील्ड हासिल की। रतलाम मंडल ने ट्रैक मशीनों के लिए अंतर मंडल शील्ड प्राप्त की। वडोदरा मंडल ने समपार को हटाने की दिशा में सर्वोत्तम सड़क सुरक्षा कार्य निष्पादन के लिए मंडल शील्ड प्राप्त की। राजकोट मंडल ने एनर्जी एफिशिएंसी शील्ड हासिल की, जबकि वडोदरा मंडल ने रतलाम मंडल के साथ स्क्रैप मोबिलाइजेशन शील्ड हासिल की। अहमदाबाद मंडल ने सर्वश्रेष्ठ लदान प्रयासों के साथ-साथ ईएनएचएम ट्रॉफी हासिल की। इसके अलावा वाणिज्य, लेखा, सिविल इंजीनियरिंग, चिकित्सा, संरक्षा, भंडार, सिगनल एवं दूरसंचार, राजभाषा और सर्वेक्षण एवं निर्माण आदि जैसे कार्य के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ मंडलों/इकाइयों को कार्यकुशलता शील्ड भी प्रदान की गई। अनिल कुमार लाहोटी द्वारा संबंधित मंडल रेल प्रबंधकों, मुख्य कारखाना प्रबंधकों और डिपो प्रभारियों को ये शील्डें प्रदान की गईं।इस अवसर पर पश्चिम रेलवे और मध्य रेल के महिला कल्याण संगठन (WRWWO) की अध्यक्षा मीनू लाहोटी,पश्चिम रेलवे के अपर महाप्रबंधक के साथ-साथ विभिन्न विभागों के प्रमुख विभागाध्यक्षों, अन्य वरिष्ठ अधिकारी और पुरस्कार विजेता उपस्थित थे। लाहोटी ने अपने संबोधन में 67वें रेल सप्ताह के अवसर पर सभी रेलकर्मियों और उनके परिवारों को बधाई दी। उन्होंने पुरस्कार विजेताओं को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दी। लाहोटी ने बताया कि कई चुनौतियों और प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद पश्चिम रेलवे ने कई उपलब्धियाँ हासिल की है। उन्होंने वर्ष 2021-22 में पश्चिम रेलवे की विभिन्न उपलब्धियों का भी उल्लेख किया और कर्मचारियों को संगठनात्मक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रोत्साहित किया।इस अवसर पर पश्चिम रेलवे की उपलब्धियों पर केंद्रित एक लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया, जिसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रारंभ में पश्चिम रेलवे के प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी ने अतिथियों का स्वागत किया और धन्यवाद ज्ञापन उप महाप्रबंधक (सामान्य) द्वारा किया गया।

2 मई से खुलेगा मुंबई-नागपुर समृद्धि महामार्ग, मुंबईकरों को करना होगा इंतजार

मुंबई: महाराष्ट्र में बन रहे मुंबई-नागपुर समृद्धि महामार्ग से यात्रा करने वालों के लिए एक खुशखबरी है। नागपुर से वाशिम सेलू बाजार के बीच 2 मई से लोग यात्रा कर सकेंगे, जबकि वाशिम से शिरडी के बीच इस साल 15 अगस्त से यात्रा शुरू की जाएगी, लेकिन मुंबईकरों को मुंबई से नागपुर की यात्रा करने के लिए जून 2023 तक इंतजार करना पड़ेगा। गुरुवार को महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम (एमएसआरडीसी) के एक अधिकारी ने दावा किया कि है कि समृद्धि महामार्ग का करीब 70 प्रतिशत काम पूरा हो गया है। काम तेज गति से किया जा रहा है। पहले चरण के रूट से यात्रा करने वालों को मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे 2 मई को हरी झंडी दिखाएंगे। वैसे, पहले महाराष्ट्र दिवस 1 मई से हरी झंडी दिखाने की योजना बनाई गई थी, लेकिन उस दिन कार्यक्रम ज्यादा होने से उद्घाटन का दिन 2 मई चुना गया है। उद्घाटन समारोह को भव्य स्वरूप देने के लिए कहा किया है। बताया जा रहा है कि इसकी जिम्मेदारी संबंधित विभाग के मंत्री व शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे को दिया गया है। इस परियोजना की अनुमानित लागत 55,000 करोड़ रुपये है।

शरद पवार के घर हमले का आरोपी वकील अरेस्ट, सतारा पुलिस का दावा- होंगे चौंकाने वाले खुलासे

मुंबई: राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार के घर पर हुए कथित हमले के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। सतारा पुलिस ने महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) के कर्मचारियों के वकील गुणरतन सदावर्ते को गुरुवार को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक, गुमतरन सदावर्ते पवार मुख्य आरोपियों में से एक है। इसके साथ ही पुलिस ने अब तक मामले में 116 लोगों को गिरफ्तार किया है। मुंबई पुलिस ने दावा किया है कि आरोपी वकील से जांच में चौंकाने वाले खुलासे हो सकते हैं। दरअसल 8 अप्रैल को एनसीपी प्रमुख शरद पवार के सिल्वर ओक्स बंगले पर सदावर्ते के नेतृत्व में कई महिलाओं समेत एमएसआरटीसी के 100 से ज्यादा कर्मचारियों की भीड़ ने पत्थरों और जूतों से हमला किया था। इस मामले की जांच करते हुए पुलिस ने सदावर्ते को गिरफ्तार कर लिया, जबकि उनकी पत्नी जयश्री पाटिल सदावर्ते अभी फरार है। सदावर्ते को 14 दिनों के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इस मामले में पुणे के एक पत्रकार चंद्रकांत सूर्यवंशी समेत कुल 115 की गिरफ्तारी हुई है। जि न्हें 16 अप्रैल तक 3 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। स्पेशल पब्लिक पोसेक्यूटर प्रदीप डी. घरत ने बताया कि सदावर्ते ने एमएसआरटीसी के कर्मचारियों से अपना मामला लड़ने के लिए 2 करोड़ रुपये से अधिक जमा किया है। इस मामले में गृह विभाग ने खुफिया सूचनाओं पर ध्यान देने में हुई चूक की बात स्वीकार की। साथ ही कहा, एमएसआरटीसी के जो भी कर्मचारी हमले में शामिल पाए गए, उन्हें सेवा से बर्खास्त कर दिया जाएगा।

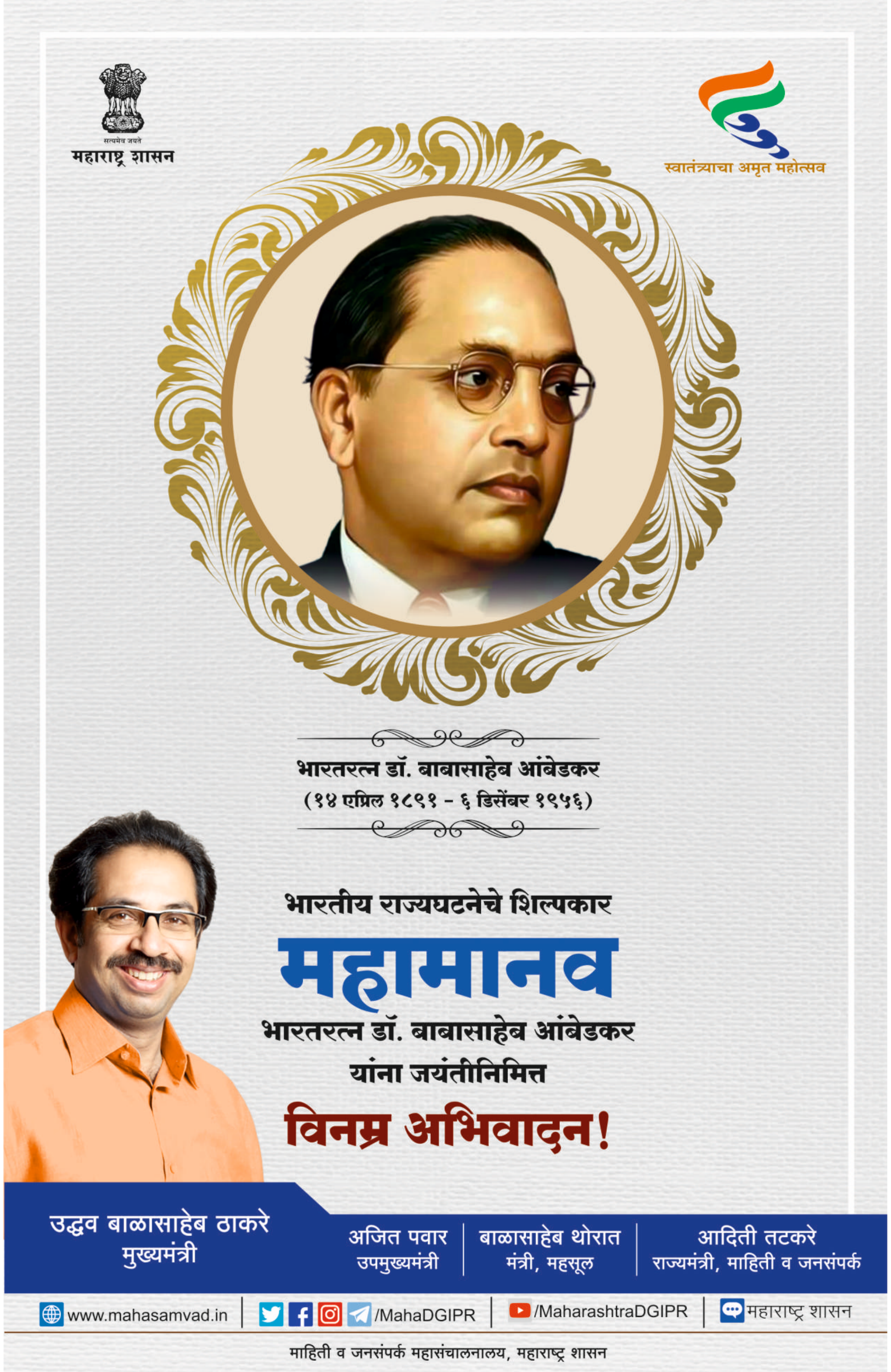

सुप्रीमो ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट: सीजन 9 का आयोजन 24 से 28 मई तक एयर इंडिया स्पोर्ट्स क्लब ग्राउंड, कलिना, सांताक्रूज में होगा

सुप्रीमो ट्रॉफी टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट: सीजन 9 का आयोजन 24 मई से से 28 मई तक रात में एयर इंडिया स्पोर्ट्स क्लब ग्राउंड, कलिना, सांताक्रूज में किया जा रहा है। हिन्दू हृदयसम्राट शिवसेना प्रमुख बालासाहेब ठाकरे के जन्मदिन के अवसर पर शिवसेना विभाग प्रमुख एमएलए संजय पोतनीस और परिवहन मंत्री, महाराष्ट्र सरकार डॉ. अधिवक्ता अनिल परब द्वारा इस टेनिस क्रिकेट मुकाबले का आयोजन किया जा रहा है। सुप्रीमो ट्रॉफी का सबसे बड़ा टेनिस क्रिकेट टूर्नामेंट सीजन - 9 की घोषणा शनिवार 9 अप्रैल को एमसीए क्लब में की गई। जहां परिवहन मंत्री, महाराष्ट्र सरकार डॉ. अधिवक्ता अनिल परब, पूर्व भारतीय कप्तान दिलीप वेंगसरकर और टी-20 मुंबई प्रीमियर लीग के चेयरमैन मिलिंद नार्वेकर, व डॉ पीवी शेट्टी मौजूद थे। सुप्रीमो ट्रॉफी भारत का अब तक का सबसे बड़ा टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट है जो 24 मई 2022 से 28 मई 2022 तक एयरइंडिया स्पोर्ट्स क्लब ग्राउंड, कलिना, सांताक्रूज में आयोजित किया जाएगा। सुप्रीमो ट्रॉफी को वर्ष 2019, 2020 और 2021 में कोरोना महामारी की वजह से स्थगित करना पड़ा था। सुप्रीमो 1 ट्रॉफी भारत का नंबर I क्रिकेट टूर्नामेंट है यह टूर्नामेंट अपने सफल आयोजन के लिए पिछले आठ वर्षों में प्रमुखता, नियमों का कड़ाई से पालन और भव्य योजना की वजह से जाना जाता है। 22 देशों में प्रतियोगिता का एक साथ लाइव कवरेज यूट्यूब पर दिखाया जाने वाला है जिसने प्रतियोगिता को एक अंतर्राष्ट्रीय स्तर का बना दिया है। टूर्नामेंट का मुख्य आकर्षण सर्वश्रेष्ठ टीमों और टूर्नामेंट में खिलाड़ियों पर पुरस्कारों की बौछार है और इसके साथ ही इसमें सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी को हर साल कार, मोटर बाइक और नकद पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है। श्रीलंका और खाड़ी देशों की शीर्ष क्रिकेट टीमों से लगातार कहा जा रहा है कि वे सुप्रीमो ट्रॉफी में प्रवेश करें। भविष्य में, अन्य देशों से टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए, भारतीय टेस्ट और आईपीएल टीमों के प्रसिद्ध क्रिकेटर टूर्नामेंट में लाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। सर्वोच्च व्यवसायी श्री. रतन टाटा ने भी सुप्रीमो की शोभा बढ़ाई थी, सुप्रीमो ट्रॉफी के सीजन 8 में उनकी मौजूदगी से ट्राफी का मज़ा और बढ़ गया था। भारत के पूर्व क्रिकेटरों, महिला क्रिकेटरों, मुंबई टीम का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों, हॉकी खिलाड़ी, बॉलीवुड सितारे, टेलीविजन सितारे आदि की उपस्थिति आकर्षण का केन्द्र बिन्दु होता है। इस साल भी ये तय है कि सेलिब्रिटीज टूर्नामेंट के दौरान नजर आएंगे। सुप्रीमो फाउंडेशन के माध्यम से सामाजिक कार्य भी किए जाते हैं। सुप्रीमो ट्रॉफी का आयोजन कर गरीबों और संभावित खिलाड़ियों को एक मजबूत मंच प्रदान किया जाता रहा है। सुप्रीमो फाउंडेशन के माध्यम से 10 लाख रुपये का फंड सूखा पीड़ित लोगों के लिए उपलब्ध कराए गए हैं। यह फाउंडेशन कैंसर और हृदय रोग वाले लोगों की भी मदद करता है। सुप्रीमो फाउंडेशन द्वारा अब तक लगभग 22 हार्ट सर्जरीज़ भी करवाई गई है। गरीब और होनहार छात्रों का पूरा शैक्षिक खर्च सुप्रीमो फाउंडेशन द्वारा कवर किया जाता है। आपको बता दें कि सुप्रीमो ट्रॉफी में पहला इनाम 9 लाख (नकद), दूसरा पुरुस्कार 7 लाख (नकद) है जबकि मैन ऑफ द सीरीज को मारुति कार, बेस्ट बॉलर को मोटर बाइक और सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज को मोटर बाइक दी जाएगी।

मुंबई: अब, शहर में फ्लैट बेचने/किराए पर लेने के लिए हाउसिंग सोसाइटी से एनओसी की आवश्यकता नहीं है

एक महत्वपूर्ण निर्णय में, महाराष्ट्र के आवास मंत्री डॉ जितेंद्र आव्हाड ने मंगलवार को घोषणा की कि अब से अपने फ्लैट बेचने / किराए पर लेने के इच्छुक मालिकों के लिए एक सहकारी आवास समिति से कोई पूर्व अनुमति या अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) आवश्यक नहीं होगा।

यह मालिकों को बिना किसी परेशानी या देरी के अपने किराये / बिक्री लेनदेन का संचालन करने में सक्षम बनाता है और ऐसे प्रस्तावों को हरी झंडी दिखाने के लिए सोसायटी समितियों द्वारा उत्पीड़न को रोकता है।

आव्हाड ने कहा, "हमें पता चला है कि कई हाउसिंग सोसाइटी जाति, पंथ, धर्म, समुदाय, शाकाहारियों के आधार पर भेदभाव करती हैं और मालिकों को अपनी संपत्ति बेचने / किराए पर लेने की अनुमति नहीं देती हैं।" उन्होंने बताया कि किस प्रकार किसी विशेष समुदाय के प्रभुत्व वाले कुछ समाजों या इलाकों में, कुछ समुदायों को केवल 'शाकाहारी' पसंद करने या दलितों और अन्य पिछड़े वर्गों को रोकने के नाम पर रोक दिया जाता है, जिससे लोगों में नफरत बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि उपनियमों के अनुसार, मालिकों को अपने घरों को बेचने/किराए पर लेने के लिए सोसायटी की अनुमति की आवश्यकता नहीं है, फिर भी कई प्रबंध समितियां उनकी मंजूरी पर जोर दे रही हैं।

"अब, अगर मालिक अपने फ्लैट को किराए पर बेचना चाहता है, तो उसे सोसायटी की एनओसी की आवश्यकता नहीं होगी," डॉ आव्हाड ने घोषित किया, मुंबई को दुनिया में एक प्रमुख महानगरीय शहर होने के आधार पर इसे सही ठहराते हुए और इस तरह की रणनीतियां बदनाम कर रही थीं देश की वित्तीय राजधानी की छवि।

कई व्यक्तियों, समाजों और महाराष्ट्र सोसाइटीज वेलफेयर एसोसिएशन ने डॉ. आव्हाड की पहल को मंजूरी दी और स्वागत किया है, और आग्रह किया है कि इसे एक 'सरकारी प्रस्ताव' के माध्यम से दोषी समाजों/प्रबंध समिति के सदस्यों के लिए दंडात्मक धाराओं के साथ औपचारिक रूप दिया जाना चाहिए।

कांदिवली सीएचएस के एक अध्यक्ष ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि अतीत में ऐसे कई उदाहरण हैं जब कई सेलेब्स सहित लोगों को एनओसी की आड़ में कुछ क्षेत्रों / हाउसिंग सोसाइटियों में फ्लैट खरीदने / बेचने से रोक दिया गया था, लेकिन अब यह रुक जाएगा।

"नतीजतन, कई संभावित रूप से आकर्षक सौदे से हार जाते हैं, सामाजिक लालफीताशाही में उनके लेन-देन में देरी हो जाती है, कुछ समाज भवन निधि के लिए 'दान' के रूप में सौदे की एक निश्चित राशि की भी मांग करते हैं, और दोनों का उत्पीड़न हुआ था। खरीदारों और विक्रेताओं को विभिन्न मामलों में, "उन्होंने कहा।

क्या आप जानते हैं कि आपका ग्राहक आगे क्या खरीदेगा?

किसी उत्पाद की तलाश करने से पहले ग्राहक की कुछ अपेक्षाएँ होती हैं। और अगर आपके पास कोई ऐसा उत्पाद है जो उनकी उम्मीदों पर खरा उतरता है तो यह आपके व्यवसाय के लिए सबसे अच्छा है।

यह जानना कि 'ग्राहक क्या चाहता है' हर चीज की जड़ है। उत्पाद विकास एक नया मोड़ पा सकता है या उस मामले के लिए कुछ नया भी दुकानों में रखा जा सकता है। और अधिक व्यापक रूप से यह समझना कि वे आपके व्यवसाय के बारे में कैसा महसूस करते हैं, आपको उनकी बेहतर सेवा करने में मदद कर सकता है या 'समय में एक सिलाई' भी हो सकता है।

खैर, दुर्भाग्य से हम सितारों की भविष्यवाणी करने में कहीं भी अच्छे नहीं हैं, लेकिन हम आपको डेटा के विज्ञान के माध्यम से तेजी से चल सकते हैं, जिसे 'ग्राहक अंतर्दृष्टि' कहा जाता है, जो हमारे उपभोक्ताओं के दृष्टिकोण में क्रांतिकारी बदलाव ला सकता है।

एक उपभोक्ता अंतर्दृष्टि डेटा एनालिटिक्स है जिसका उपयोग आधुनिक समय के व्यावसायिक घरानों द्वारा अपने दर्शकों के सोचने और महसूस करने की गहरी समझ हासिल करने के लिए किया जाता है। इसे बड़े पैमाने पर व्यवहार पैटर्न अध्ययन के रूप में वर्गीकृत किया गया है जो उपभोक्ता की जरूरतों की समझ प्रदान करता है।

ऐसी अंतर्दृष्टि कितनी उपयोगी हो सकती है?

- उपभोक्ता की जरूरतों और जरूरतों का अनुमान लगाएं।
- उपभोक्ता के साथ संचार की प्रभावशीलता में सुधार।
- रणनीतिक विपणन और बिक्री को बढ़ावा देना
- उत्पाद वृद्धि या विकास में सहायता।
- टॉस के लिए जाने से पहले किसी भी मुद्दे को सुधारें।
- समग्र उपभोक्ता अनुभव में सुधार करें।

हम ऐसा डेटा कैसे इकट्ठा करते हैं?

- प्रतिक्रिया / सर्वे: अपने ग्राहकों से यह पूछने का सबसे सरल तरीका है कि वे क्या चाहते हैं या वे कैसा महसूस करते हैं। डेटा लाने के लिए वस्तुनिष्ठ संचालित प्रश्नावली के एक सेट का उपयोग करें।
- **समीक्षाएं :** आपकी कंपनी, उत्पादों या सेवाओं के बारे में समीक्षाएं प्राप्त करना एक बहुत ही सामान्य प्रक्रिया होनी चाहिए
- सेंटीमेंट सर्वे: ज्यादातर ये सोशल मीडिया टूल हैं जैसे इमोजी, स्टार, लाइक, डिसलाइक और भी बहुत कुछ। यदि परिणाम मनभावन नहीं हैं तो आपको बहुत गहराई से विश्लेषण करने की आवश्यकता है।
- विज़िटर एनालिटिक्स : यह मोटे तौर पर उपभोक्ता व्यवहार को संदर्भित करता है और रूपांतरण दर के कारणों का विवरण देता है।
- A/B परीक्षण: A/B परीक्षण, जिसे विभाजित परीक्षण के रूप में भी जाना जाता है, एक यादृच्छिक प्रयोग प्रक्रिया को संदर्भित करता है जिसमें एक चर के दो या दो से अधिक संस्करण (वेब पृष्ठ, पृष्ठ तत्व, आदि) वेबसाइट आगंतुकों के विभिन्न खंडों को दिखाए जाते हैं। उसी समय यह निर्धारित करने के लिए कि कौन सा संस्करण अधिकतम प्रभाव छोड़ता है और व्यावसायिक मीट्रिक चलाता है।

डेटा एकत्र करना आधा काम है, अनुभवी पेशेवरों और विषय वस्तु विशेषज्ञ द्वारा गहन विश्लेषण मूल्य और परिणाम परिणाम जोड़ देगा।

भूलना भी जरूरी है:स्टडी में दावा- भूलना सीखने की प्रक्रिया, इससे दिमाग अहम जानकारियों तक पहुंचता है, बेकार यादें हटाता है

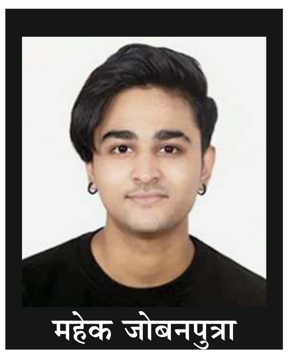

अक्सर हम चाबी या कोई कागज रखकर या मोबाइल आदि का बिल भरना भूल जाते हैं। वैज्ञानिक कहते हैं कि युवावस्था में भूलने को बीमारी या समस्या मत मानिए, यह भी सीखने की ही एक प्रक्रिया है। यह दिमाग को महत्वपूर्ण जानकारियों तक पहुंचने में मदद करती है। डबलिन के ट्रिनिटी कॉलेज और टोरंटो यूनिवर्सिटी के नेतृत्व में हुई स्टडी के मुताबिक इसका यह मतलब नहीं है कि जो बातें इंसान भूलता है वो दोबारा याद नहीं आएंगी। बस दिमाग उन तक पहुंच नहीं पाता।

दिमाग करता है यादों का चुनाव

शोधकर्ताओं का दावा है कि दिमाग ही तय करता है हमें कौन सी चीजें और बातें याद रखनी हैं और किन्हें हम भूल सकते हैं। कुछ यादें स्थायी रूप से न्यूरॉन्स की टुकड़ियों में जमा होती हैं, वो अवचेतन मन में रह जाती हैं। इसलिए इन बातों को इंसान कभी नहीं भूलता है। दिमाग ही तय करता है कि कौन सी बात या याद हमारे लिए ज्यादा जरूरी है और उसी हिसाब से वो यादों को जमा करने और उन्हें हटाने का काम करता रहता है। हम अपनी पूरी जिंदगी में अनगिनत यादें बनाते हैं पर इनमें से कुछ ही को याद रख पाते हैं।

आम धारणा यह है कि वक्त के साथ यादें भी धुंधली पड़ती जाती हैं। लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि इसकी वजह दिमाग की स्टोर करने की प्रक्रिया ही है। ट्रिनिटी कॉलेज में न्यूरोसाइंटिस्ट टॉमस रायन और टोरंटो यूनिवर्सिटी के पॉल फ्रैंकलैंड ने बताया कि अल्जाइमर के मरीजों की बात अलग है। सामान्य लोगों के लिए भूलना फायदेमंद साबित हो सकता है। इससे व्यवहार को ज्यादा लचीला बनाने और बेहतर फैसले लेने में मदद मिल सकती है। स्टडी के नतीजों से बीमारी के कारण खोई हुई यादों को बहाल करना संभव है। अल्जाइमर जैसी बीमारी की स्थिति में भूलने की क्रिया को अपहृत कर लिया जाता है।

यादों का बने रहना व वापस आना एनग्राम सेल्स पर निर्भर

डॉ. रायन बताते हैं, 'यादें न्यूरॉन्स की टुकड़ियों के रूप में जमा होती हैं। इन्हें एनग्राम सेल्स कहते हैं। यादों का बने रहना या आना इन्हीं टुकड़ियों के रिएक्टिवेशन से होता है। व्यक्ति भूलने तब लगता है, जब एनग्राम सेल्स एक्टिवेट नहीं हो पातीं। इसे ऐसे समझ सकते हैं कि यादें एक तिजोरी में जमा हो जाती हैं, पर इन्हें अनलॉक करने का कोड आपको याद नहीं रहता। यादों का लौटना भी इसी वजह से होता है।

दुनिया की 52% आबादी सिर दर्द से परेशान:हर दिन 15.8% लोग सिर दर्द से जूझते हैं, पुरुषों के मुकाबले महिलाओं में ये समस्या ज्यादा

सिर में दर्द होना काफी सामान्य परेशानी है। हर कोई अपने जीवन में इससे कम से कम एक बार जरूर जूझता है। हालांकि दुनिया में ऐसे भी कई लोग हैं, जिन्हें नियमित रूप से गंभीर सिर दर्द होता है। हाल ही में नॉर्विजियन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के वैज्ञानिकों ने ऐसे मरीजों के डेटा को लेकर बड़ा खुलासा किया है।

रिसर्चर्स का कहना है कि दुनिया की 52% आबादी हर साल किसी न किसी प्रकार के सिर दर्द का शिकार होती है। इसमें माइग्रेन, नॉर्मल सिर दर्द, चिंता से होने वाला सिर दर्द आदि शामिल हैं। इस रिसर्च के लिए वैज्ञानिकों ने 1961 से 2020 तक के उन शोधों को स्टडी किया, जिनमें सिर दर्द से जुड़ा डेटा मौजूद था।

माइग्रेन से 14%, चिंता वाले सिर दर्द से 26% लोग परेशान

वैज्ञानिकों ने रिसर्च में बताया है कि दुनिया में 14% लोग माइग्रेन के मरीज हैं। वहीं, 26% लोगों को इतनी चिंता होती है कि यह गंभीर सिर दर्द की वजह बन जाती है। शोध के मुताबिक, विश्व में हर दिन 15.8% लोग सिर दर्द से जूझते हैं।

महिलाओं में सिर दर्द की समस्या ज्यादा

रिसर्चर्स के अनुसार, पुरुषों की तुलना में महिलाओं को हर प्रकार का सिर दर्द ज्यादा होता है। माइग्रेन की बात करें तो जहां दुनिया भर में 17% महिलाएं इसकी मरीज हैं, वहीं केवल 8.5% पुरुष ही इसकी चपेट में आते हैं। करीब 6% महिलाओं को सिर दर्द लगातार 15 दिन या उससे ज्यादा रहता है, वहीं पुरुषों में ये प्रतिशत मात्र 2.9% है।

2019 में ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज द्वारा की गई एक स्टडी में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला था। उसमें पाया गया था कि पूरी दुनिया में माइग्रेन विकलांगता का दूसरा सबसे बड़ा कारण है और 50 साल से कम उम्र की महिलाओं में विकलांगता का पहला सबसे बड़ा कारण है।

लोगों में माइग्रेन बढ़ने की कई वजहें

हर साल माइग्रेन की समस्या बढ़ती चली जा रही है। रिसर्च में शामिल शोधकर्ताओं का कहना है कि इसके कई कारण हैं। ये मेंटल से लेकर फिजिकल, एनवायरनमेंटल, बिहेवियरल और साइकोलॉजिकल हो सकते हैं। हालांकि टेक्नोलॉजी का विकास भी इसमें एक अहम भूमिका निभाता है। आज ज्यादा से ज्यादा लोग टेक्नोलॉजी की मदद से अपनी परेशानियां डॉक्टर्स से साझा कर रहे हैं और हेल्थ एक्सपर्ट्स भी नई टेक्नोलॉजी के जरिए मरीजों का इलाज कर रहे हैं।

भारतीय बच्चे दिल की बीमारी के शिकार:बच्चे गर्भ से ही बन रहे दिल के मरीज; एक्सपर्ट से जानें इसकी वजह, लक्षण और बचाव के तरीके

जहां पूरी दुनिया पिछले दो साल से कोरोना वायरस से जूझ रही है, वहीं अब वैज्ञानिकों ने समुद्र में 5,500 नए वायरस खोज निकाले हैं। अमेरिका की ओहायो स्टेट यूनिवर्सिटी के रिसर्चर्स का कहना है कि कोरोना की तरह ये भी RNA वायरस हैं। चिंता वाली बात ये है कि खोजे गए वायरस भारत के अरब सागर और हिंद महासागर के उत्तर पश्चिमी इलाकों में भी मौजूद हैं।

दुनिया के सारे समुद्रों पर हुई स्टडी

इस स्टडी को हाल ही में साइंस जर्नल में प्रकाशित किया गया है। वायरस ढूंढने के लिए वैज्ञानिकों ने दुनिया के सभी समुद्रों के 121 इलाकों से पानी के 35 हजार सैंपल्स लिए। जांच में उन्हें लगभग 5,500 नए R N A वायरस का पता चला। ये 5 मौजूदा प्रजातियों और 5 नई प्रजातियों के थे। रिसर्चर मैथ्यू सुलिवान का कहना है कि सैंपल्स के हिसाब से नए वायरस की संख्या काफी कम है। हो सकता है कि भविष्य में लाखों की संख्या में वायरस मिलें। नए वायरस से होने वाली बीमारियों की जांच होगी

वैज्ञानिकों का कहना है कि ये रिसर्च खास RNA वायरस को लेकर हुई है क्योंकि D N A वायरस के मुकाबले वैज्ञानिकों ने इन पर स्टडी कम की है। सुलिवान के मुताबिक, आज हमें केवल उन्हीं RNA वायरस के बारे में पता है, जिन्होंने दुनिया को मौत के खतरे में डाला है। इनमें कोरोना, इंफ्लुएंजा और इबोला वायरस शामिल हैं। इसलिए भविष्य में नई बीमारियों से बचने के लिए हमें पहले से तैयार रहना जरूरी है।

टाराविरिकोटा नाम की वायरस प्रजाति हर समुद्र में मौजूद

रिसर्च में टाराविरिकोटा, पोमीविरिकोटा, पैराजेनोविरिकोटा, वामोविरिकोटा और आर्कटिविरिकोटा नाम की 5 नई वायरस प्रजातियां पाई गई हैं। इनमें से टाराविरिकोटा प्रजाति दुनिया के हर समुद्र में मिली है। वहीं आर्कटिविरिकोटा प्रजाति के वायरस आर्कटिक सागर में पाए गए। सुलिवान के अनुसार इकोलॉजी के हिसाब से देखा जाए तो ये खोज बेहद जरूरी है। यह स्टडी समुद्री क्लाइमेट चेंज की जांच करने वाले तारा ओशियंस कंसोर्टियम नाम के ग्लोबल प्रोजेक्ट का हिस्सा है।

स्टडी में सभी RNA वायरस में RdRp नाम का प्राचीन जीन मिला है। माना जा रहा है कि यह जीन अरबों साल पुराना है। तब से लेकर अब तक ये कई बार इवॉल्व हो चुका है। RdRp की उत्पत्ति कैसे हुई, वायरस में इसका क्या काम है, इंसानों के लिए ये कितना खतरनाक है, इन सभी सवालों का जवाब देने में वैज्ञानिकों को काफी समय लगेगा।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : समय आपके पक्ष में आ रहा है। इसके शुभ परिणाम जल्द ही मिलने वाले हैं। अपनी इच्छाओं, जरूरतों को इस सप्ताह पूरा करने में कामयाब होंगे। बहुत दिनों से चल रहा मानसिक तनाव कम होगा और नए कार्यो की रूपरेखा बनाएंगे। परिवार के साथ अच्छा समय बिताएंगे। आर्थिक संकट काफी हद तक कम हो जाएगा।

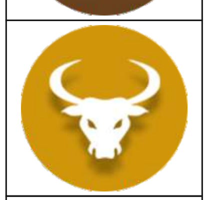

वृषभ : सप्ताह शुभ है इसलिए शुभ संकल्पों के साथ शुरू किया गया काम सफल होगा। मानसिक शारीरिक शक्ति पुनः लौट जाएगी। आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। धन की आवक भी होगी और संग्रहण भी होने लगेगा। नौकरी और कारोबार में बदलाव लाभदायक रहेगा। पारिवारिक और दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। प्रेम प्रकरणों में लाभ होगा।

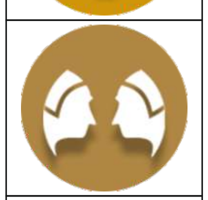

मिथुन : सप्ताह की शुरुआत शुभ समाचार से होने जा रही है। पूरा सप्ताह आपके उत्साह और उमंग को बढ़ाने वाला रहेगा। पुराने सारे झंझटों से राहत मिलेगी। भूमि, भवन, संपत्ति के कार्य होंगे। पारिवारिक मेलजोल होगा। परिवार के सहयोग से सुखद जीवन व्यतीत करेंगे। मानसिक और शारीरिक रूप से कोई कष्ट नहीं रहेगा।

कर्क : आपने अब तक जो कठिन समय देखा है, वह इस सप्ताह दूर हो जाएगा। राहत मिलेगी और शुभ संकल्प साकार होंगे। किसी विशेष प्रयोजन से की गई यात्रा लाभ देगी। नौकरीपेशा लोगों को कार्यस्थल पर विवादों का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन जीत आपकी होगी। कारोबारियों को कार्य विस्तार से लाभ होगा।

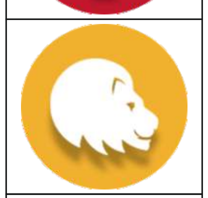

सिंह : यह सप्ताह सुखद और शांतिपूर्ण व्यतीत होगा। परेशानियां आएंगी लेकिन बहुत कम हो जाने से वे न्यून हो जाएंगी। नौकरीपेशा को भागदौड़ रहेगी और कारोबारियों को कार्य में अधिक समय देना होगा। विद्यार्थी वर्ग को अधिक मेहनत करनी होगी। आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर होने जा रही है। पारिवारिक जीवन में सभी का सहयोग प्राप्त रहेगा।

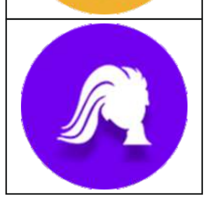

कन्या : सप्ताह राहतभरा रहेगा। पुरानी परेशानियों से मुक्ति मिलेगी। शारीरिक रूप से थोड़े कमजोर महसूस करेंगे। आर्थिक स्थिति के लिए समय अच्छा है। पैसों की भरपूर आवक होगी। भौतिक सुखों में वृद्धि के योग भी बन रहे हैं। स्वयं के सुखों पर खर्च करेंगे। पारिवारिक जीवन में अनुकूलता रहेगी। स्थितियां आपके वश में रहेंगी।

तुला : सप्ताह संभलकर चलने के संकेत दे रहा है। प्रारंभ में ही कोई विवाद सामने आ सकता है। परिवारजनों से किसी बात को लेकर मतभेद रहेगा। जीवनसाथी की ओर से विवादित बातें होंगी। नौकरीपेशा और कारोबारी लोगों के लिए सप्ताह सामान्य रहेगा। आर्थिक परेशानियां कम होंगी और पैसों की बचत करने का समय रहेगा।

वृश्चिक : इस सप्ताह नौकरीपेशा लोगों को तरक्की मिलेगी। कारोबारियों को कार्य विस्तार करने का मौका मिलेगा। कोई नया कार्य प्रारंभ करना चाहते हैं तो अवश्य करें। कर्ज मुक्ति होगी। विद्यार्थियों को बड़ी सौगात मिल सकती है। मानसिक शारीरिक रूप से मजबूत रहेंगी। स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। पुराने रोगों से मुक्ति मिलेगी। आर्थिक संकट दूर होगा।

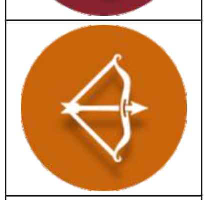

धनु : यह सप्ताह आपके लिए संभलकर चलने का है। किसी विवाद में न पड़े। जो जैसा चल रहा है, चलने दें। ज्यादा भागदौड़ करने की आवश्यकता नहीं है। नया कार्य प्रारंभ करने के लिए परिवार के किसी सदस्य या माता-पिता का सहयोग लेना पड़ सकता है। इस सप्ताह स्वास्थ्य पहले से बेहतर रहेगा। आर्थिक कमी दूर होगी।

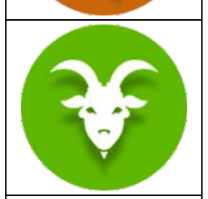

मकर : इस सप्ताह पुराने समय से चली आ रही कुछ परेशानियां दूर होंगी। मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ महसूस करेंगे। बहुत दिनों से किसी काम के पूरा होने की प्रतीक्षा कर रहे हैं तो वह इस सप्ताह हो जाएगा। आपके आकर्षण प्रभाव में वृद्धि होगी। नौकरीपेशा लोगों को तरक्की मिलेगी। बिजनेस में उतार-चढ़ाव के बावजूद ठीक ठाक स्थिति में रहेंगे।

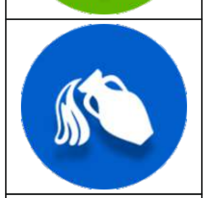

कुंभ : आपके लिए यह सप्ताह अच्छा है। अपनी आवश्यकताएं और आकांक्षाएं पूरी कर सकते हैं। मानसिक शांति प्राप्त होगी। पुराने समय से चली आ रही परेशानियां कम होंगी। परिवार में कोई अस्वस्थ है तो वह ठीक हो जाएगा। पूरा परिवार साथ रहेगा और अच्छा तालमेल रहेगा। आपसी समझ से दांपत्य जीवन बेहतर रहेगा।

मीन : सप्ताह शुभ है। आपके सारे अटके हुए काम इस सप्ताह में बन जाएंगे। कोई बड़ी परेशानी नहीं आने वाली है। आर्थिक दृष्टि से मजबूत रहेंगे। नौकरी में तरक्की मिलेगी। बिजनेस में लाभ के अवसर आएंगे। परिवारजनों के साथ रहने से वक्त सुखद बन जाएगा। दांपत्य जीवन मधुर रहेगा। भूमि, संपत्ति, वाहन खरीदने के योग बनेंगे।

चुटकुले

मैंने तीन साधुओं से पूछा- तुम तीनों एक साथ साधु कैसे बने?
तीनों का उत्तर था- हम साधू बनने से पहले साढ़ू थे

पत्नी- शादी से पहले तुम मुझे होटल,
सिनेमा, और न जाने कहां- कहां घुमाते थे
शादी हुई तो घर के बाहर भी नहीं ले जाते..
पति- क्या तुमने कभी किसी को...
चुनाव के बाद प्रचार करते देखा है...

लड़का- मुझसे प्यार करोगी...
लड़की- शक्ल देखी है अपनी, तुझसे प्यार करने से तो बेहतर है मैं सुसाइड कर लूं.
लड़की- कमबख्त मर जाएगी पर किसी के काम नहीं आएगी.

हरभजन सिंह अपने वेतन से किसानों की बेटियों की शिक्षा पर खर्च करेंगे

आम आदमी पार्टी से सांसद बने पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने बड़ा फैसला लिया है। उन्होंने कहा कि वह राज्यसभा से मिलने वाली सैलरी को किसानों की बेटियों की शिक्षा और भलाई के लिए खर्च करेंगे। हरभजन ने कहा कि वह राष्ट्र की बेहतरी के लिए जो हो सकेगा, जरूर करेंगे। हरभजन सिंह कुछ समय पहले ही आम आदमी पार्टी से पंजाब से राज्यसभा के सांसद चुने गए हैं।

झारखंड: देवघर रोपवे हादसे में मरने वालों के परिजनों को मिलेगा 25 लाख रुपए का मुआवजा

झारखंड में 10 अप्रैल को रोपवे हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई थी। अब दामोदर रोपवे एंड इंफ्रा लिमिटेड ने मरने वालों के परिवार को 25-25 लाख रुपए का मुआवजा दिया है। साथ ही कंपनी ने हादसे में मारे गए राकेश मंडल की पत्नी को नौकरी देने पर भी सहमति व्यक्त की है। कंपनी के महाप्रबंधक ने बताया कि 25 लाख रुपए के तीन चेक शुक्रवार को जिला प्रशासन को सौंप दिए गए। राज्य सरकार ने प्रत्येक मृतक के परिवार को पांच-पांच लाख रुपए के मुआवजे की भी घोषणा की थी।

गुजरात के मोरबी में 108 फीट ऊंची हनुमान प्रतिमा का अनावरण, PM बोले- हनुमान जी एक भारत, श्रेष्ठ भारत के सूत्र

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को गुजरात के मोरबी में भगवान हनुमान की 108 फीट ऊंची मूर्ति का अनावरण किया। इसकी स्थापना मोरबी के बापू केशवानंद आश्रम में की गई है। इस दौरान पीएम ने कहा कि हनुमान जी एक भारत, श्रेष्ठ भारत के सूत्र हैं। PMO के मुताबिक, भगवान हनुमान से संबंधित चार धाम परियोजना के तहत देश के चारों दिशाओं में हनुमान जी की मूर्ति स्थापित की जानी है। यह हनुमान जी की दूसरी मूर्ति होगी, जो पश्चिम दिशा में होगी।

मनसे ने अमित शाह को लिखी चिट्ठी, मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाने की मांग

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) ने गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाने की मांग की है। साथ ही सुप्रीम कोर्ट को भी इस मामले में दखल देने की मांग की है। कुछ दिन पहले राज ठाकरे ने कहा था कि राज्य सरकार को मस्जिदों से सभी लाउडस्पीकरों को हटा देना चाहिए। उन्होंने कहा था कि किसी भी प्रार्थना के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन लोगों को अपने-अपने घरों में अपनी आस्था का पालन करना चाहिए और दूसरों को परेशानी नहीं देनी चाहिए।

पंजाब में AAP ने पूरा किया वादा, जुलाई से घरों के लिए 300 यूनिट मुफ्त बिजली मिलेगी

पंजाब में भगवंत मान की सरकार ने चुनाव के दौरान किए अपने वादों को पूरा करना शुरू कर दिया है। सरकार ने अखबारों में विज्ञापन के जरिए एक जुलाई से घरों के लिए 300 यूनिट फ्री बिजली देने की घोषणा की है। यह वादा आप के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने किया था।

जम्मू-कश्मीर में एक आतंकी साजिश नाकाम, राजौरी में IED बरामद

जम्मू-कश्मीर के सुरक्षा बलों ने शनिवार को राजौरी से एक IED बरामद करके एक आतंकी साजिश को नाकाम कर दिया। पुलिस ने बताया कि राजौरी गुरदान रोड पर गुरदान चावा गांव में कुछ संदिग्ध गतिविधि का इनपुट मिला। इसके बाद पुलिस और भारतीय सेना ने मिलकर तलाशी अभियान शुरू किया। इस दौरान सुरक्षा बलों को सड़क के किनारे IED मिला। फिलहाल, उसे सुरक्षित स्थान पर ले जाकर नष्ट कर दिया गया है।

राज ठाकरे के लाउडस्पीकर हटाने वाले बयान पर भड़के PFI नेता

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (MNS) के प्रमुख राज ठाकरे के मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाने वाले बयान पर पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (PFI)की तीखी प्रतिक्रिया दी है। PFI के मुम्ब्रा अध्यक्ष मतीन शेखानी ने कहा कि देश के मुस्लिमों पर जुल्म हो रहा है और कुछ लोग मुम्ब्रा का भी महौल खराब करना चाहते हैं। इस दौरान उन्होंने एक नारा दिया- छेड़ोगे तो छोड़ेंगे नहीं। महाराष्ट्र में लाउडस्पीकर पर अज़ान को लेकर भी कहा, 'एक भी लाउडस्पीकर को हाथ लगाया तो PFI सबसे आगे नज़र आएगा'। इससे पहले राज ठाकरे ने एक बड़ा ऐलान किया था। MNS चीफ ने कहा है कि वे 16 अप्रैल यानी हनुमान जयंती के मौके पर पुणे में हनुमान चालीसा का महापाठ करने वाले हैं। मनसे ने बकायदा एक पोस्टर जारी कर राज ठाकरे द्वारा की जाने वाली इस महाआरती में शामिल होने का ऐलान किया है। पोस्टर में राज ठाकरे को हिंदू जननायक बताया गया है।

सरपंच की हत्या के बाद महबूबा मुफ्ती के केंद्र पर निशाना

जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में शुक्रवार को आतंकवादियों ने एक सरपंच मंजूर अहमद बांगरू की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इसे लेकर जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने केंद्र पर हमला बोला। उन्होंने ट्वीट किया, 'टारगेट किलिंग को लेकर बेहद दुखी हूं। कश्मीर में खून-खराबे का अंत होता नहीं दिख रहा है। फिर भी भारत सरकार जम्मू-कश्मीर के प्रति अपना नजरिया बदलने को तैयार नहीं है।'

पश्चिम बंगाल : आसनसोल लोकसभा और बालीगंज विधानसभा उपचुनाव की गिनती शुरू

पश्चिम बंगाल के आसनसोल लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र और बालीगंज विधानसभा सीट के लिए हुए उपचुनाव के लिए वोटों की गिनती आज हो रही है। आसनसोल लोकसभा सीट से टीएमसी ने शत्रुघ्न सिन्हा को मैदान में उतारा है, जबकि भाजपा ने अग्निमित्र पॉल को मैदान में उतारा है। आसनसोल से सांसद बाबुल सुप्रियो ने भाजपा को छोड़ तृणमूल में जाने के बाद पद से इस्तीफा दे दिया था जिस वजह से इस सीट पर उपचुनाव कराया जा रहा है। महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, और बिहार की भी एक-एक विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव के परिणाम आएंगे। इन सभी सीटों पर 12 अप्रैल को वोटिंग हुई थी।

मोरबी में हनुमान मूर्ति का अनावरण:3 साल में बनी 108 फीट की मूर्ति; मोदी बोले- हनुमान ने हमेशा सफलता का श्रेय भगवान राम को दिया

हनुमान जयंती के अवसर पर शनिवार को गुजरात के मोरबी में भगवान हनुमान की 108 फीट ऊंची मूर्ति का अनावरण किया। PM ने कहा कि हनुमान जी अपनी भक्ति से, अपने सेवाभाव से, सबको जोड़ते हैं। हर कोई हनुमान जी से प्रेरणा पाता है। हनुमान वो शक्ति और सम्बल हैं, जिन्होंने समस्त वनवासी प्रजातियों और वन बंधुओं को मान और सम्मान का अधिकार दिलाया। इसलिए एक भारत, श्रेष्ठ भारत के भी हनुमान जी एक अहम सूत्र हैं।

पूरे भारत को जोड़ने का काम करती है रामकथा

PM ने कहा कि रामकथा का आयोजन देश के अलग-अलग हिस्सों में किया जाता है। कथा के दौरान भाषा-बोली जो भी हो, लेकिन रामकथा की भावना सभी को जोड़ती है, प्रभु भक्ति के साथ एकाकार करती है। इसने गुलामी के मुश्किल कालखंड में भी अलग अलग हिस्सों और अलग अलग वर्गों को जोड़ा, आजादी के राष्ट्रीय संकल्प के लिए एकजुट प्रयासों को सशक्त किया।

देश के चारों दिशाओं में हनुमान की मूर्ति स्थापित की जाएगी

प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO) के मुताबिक, भगवान हनुमान से संबंधित चार धाम परियोजना के तहत देश के चारों दिशाओं में हनुमान की मूर्ति स्थापित की जानी है। इस कड़ी में यह हनुमान की दूसरी मूर्ति है, जो पश्चिम दिशा में है। मूर्ति की स्थापना मोरबी के बापू केशवानंद आश्रम में की गई है।

2010 में शिमला में स्थापित की गई थी पहली मूर्ति

इस श्रृंखला की पहली मूर्ति साल 2010 में उत्तर में शिमला में स्थापित की गई है। इसे बनाने में 1.9 करोड़ रुपए की लागत आई है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया है कि तीसरी मूर्ति का काम शुरू हो गया है। तीसरी मूर्ति दक्षिण में रामेश्वरम में में स्थापित की जानी है। हरीश चंदर नंदा एजुकेशन ऐंड चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा ये प्रतिमा स्थापित की जाएगी।

भव्य रामकथा का आयोजन

मोरबी के बेला गांव के पास खोखराधाम में हनुमान जी की प्रतिमा के अनावरण के साथ भव्य रामकथा का आयोजन किया गया है। यह कथा शुक्रवार से शुरू हुई। कथा के पहले दिन बेला गांव से 3 हाथियों, 51 घोड़ों की बग्घी और बारात लेकर जुलूस निकाला गया।

देश भर से साधु-संत खोखराधाम पहुंचे

शनिवार को खोखराधाम में कंकेश्वरी देवी जी के मुख से रामकथा का पाठ होगा। इसके बाद कई भक्ति कार्यक्रमों का आयोजन होगा। भक्ति कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए देश भर से साधु-संत खोखराधाम पहुंच चुके हैं।

छत्तीसगढ़ में गुजरात के ट्रांसपोर्टर की अगवा कर हत्या:ट्रक ड्राइवर ने मार कर ओडिशा के जंगल में फेंका शव, पश्चिम बंगाल से पकड़ाया

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर से गुजरात के एक ट्रांसपोर्टर को अगवा करने के बाद उसकी हत्या कर दी गई। पुलिस ने शुक्रवार सुबह उसका शव ओडिशा में राउरकेला और झारसुगुड़ा के बीच बरामद कर लिया है। इससे पहले बिलासपुर पुलिस की सूचना पर पश्चिम बंगाल पुलिस ने मालदा से आरोपी ट्रक ड्राइवर को गिरफ्तार किया था। फिलहाल पुलिस आरोपी ट्रक ड्राइवर को मौके पर लेकर रवाना हो गई है। वारदात चकरभाठा थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के मुताबिक, गुजरात में कच्छ के गडसिला निवासी अब्दुल रजाक ट्रांसपोर्टर हैं। वह पिछले दो-ढाई महीने से बिलासपुर के सिरगिट्टी स्थित गिरनार लॉजिस्टिक में कपड़े लेकर आ रहे थे। उनके साथ बेटा मो. अकरम (22) भी ट्रांसपोर्टिंग करता है। अकरम 8 अप्रैल को ट्रक लेकर माल खाली करने बिलासपुर आया था। यहां दोपहर 3 बजे वह पहुंचा और शाम 5 बजे तक ट्रक खाली किया। इसके बाद पिता अब्दुल ने उसे रात रास्ते में पेट्रोल पंप में रुक कर रात बिताने की बात कही और सुबह भाटापारा जाने के लिए बोला था।

प्रयागराज में एक ही परिवार के 5 लोगों की हत्या:महिला और 3 बेटियों का गला काटा, फांसी पर लटका मिला पति; दो पन्ने का सुसाइड नोट मिला

प्रयागराज में शुक्रवार देर रात एक ही परिवार के 5 लोगों की हत्या कर दी गई। वारदात नवाबगंज थाना क्षेत्र के खागलपुर गांव की है। पत्नी और 3 बेटियों को धारदार हथियार से मौत के घाट उतारा गया है। वहीं, पति का शव आंगन के जाल से फांसी पर लटका मिला। पति के शरीर पर हथियार के जख्म तो नहीं हैं, लेकिन हाथ और बनियान पर खून के छींटे मिले हैं। दरवाजे पर खून से सना चापड़ मिला है। मृतकों की शिनाख्त पति राहुल तिवारी (42), पत्नी प्रीति (38) और तीन बेटी माही, पीहू और पोहू के रूप में हुई है। पुलिस को आशंका है कि पति ने पहले पत्नी और 3 बेटियों की हत्या की। इसके बाद खुद फांसी लगाकर जान दे दी। वहीं, मृतक राहुल की बहन का आरोप है कि उसका ससुराल वालों से काफी विवाद चल रहा है। ससुराल वालों ने ही हत्या को अंजाम दिया है।

दो पन्ने का मिला सुसाइड नोट

SSP अजय कुमार ने कहा कि घर से दो पन्ने का सुसाइड नोट बरामद हुआ है। नोट में ससुराल पक्ष पर आरोप लगाते हुए उन्हें घटना का कारण बताया है। साथ ही ससुराल पक्ष से मकान और खेत का विवाद भी बताया है। ससुराल पक्ष और उनसे संबंधित लोगों के नाम भी लिखे हैं। इस पूरे प्रकरण में मृतक के बड़े भाई की तहरीर पर चार लोगों को नामजद किया गया है।

सालों और एक छात्र को पुलिस ने हिरासत में लिया

राहुल के बड़े भाई विवेक ने बताया कि राहुल 8-10 सालों से ससुराल में रहता था। वहां उसने जमीन खरीदकर घर भी बनवाया। उसके 4 साले हैं। घर बनवाने के कुछ समय बाद ससुराल वालों से झगड़ा होने लगा। परेशान होकर राहुल खागलपुर गांव में किराये पर कमरा लेकर रहने लगा। पुलिस ने राहुल के सालों और किराए पर साथ में रह रहे एक छात्र को हिरासत में लिया है। छात्र वारदात वाली रात घर में नहीं था, निमंत्रण में कहीं गया था। राहुल परिवार के साथ रिटायर्ड फौजी के मकान में दो महीने से रह रहा था।

जांच के लिए 7 टीमें बनाई गई

ADG लॉ एंड ऑर्डर प्रशांत कुमार के कहा कि शासन और DGP की तरफ से यही निर्देश मिले हैं कि ADG प्रयागराज जोन की देखरेख में मामले की जांच की जाएगी। जांच के लिए, STF की भी मदद ली जाएगी। SSP अजय कुमार ने कहा कि राहुल ने हत्या कर खुद फांसी लगा ली या किसी और ने पांचों की हत्या की है, इन सभी एंगल से पुलिस जांच कर रही है। कुल 7 टीमें तफ्तीश के लिए बनाई गई हैं। पुलिस के मुताबिक, पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आने के बाद स्थितियां साफ हो जाएंगी।

बाबा, मामा के बाद अब दादा का भी चला बुलडोजर, गुजरात में खंभात हिंसा के आरोपितों की अवैध संपत्ति ध्वस्त

अहमदाबाद। उत्तर प्रदेश (यूपी) में बाबा (योगी आदित्यनाथ) व मध्य प्रदेश (एमपी) में मामा (शिवराज सिंह चौहान) के बाद अब गुजरात में पथराव व हिंसा के आरोपियों पर दादा (भूपेंद्र पटेल) का भी बुलडोजर चला है। खंभात में रामनवमी की शोभायात्रा पर हमला करने आरोपितों के अवैध अतिक्रमणों को शुक्रवार को ध्वस्त किया जाने लगा है। रामनवमी पर्व पर रविवार को आणंद जिले के खंभात में रामजी मंदिर से निकली शोभायात्रा पर शक्करपुर, टावर बाजार के पास साजिश रचकर हमला किया गया था। पथराव व आगजनी में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी व दो पुलिसकर्मी सहित एक दर्जन को चोटें आई थी। पुलिस ने इस मामले में तीन मौलवी मतीन, मस्तकीन व मोहसीन समेत 10 को गिरफ्तार किया था, जो अब न्यायिक हिरासत में है। शुक्रवार को जिला कलक्टर एमवाई दक्षिणी की निर्देश पर पुलिस व प्रशासन ने इस घटना के आरोपितों के शक्करपुर इलाके में बनाए गए अवैध दुकान व टीन शेड से किए गए अतिक्रमण पर बुलडोजर चलाया। भाजपा विधायक महेश कुमार रावल की शिकायत पर हुई कार्रवाई जिला पुलिस अधीक्षक अजीत राजियान ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज व अन्य सुबूत के आधार पर पकड़े गए आरोपियों व अन्यों की अवैध संपत्तियों को ध्वस्त किया जा रहा है। गैरकानूनी प्रवृत्ति व उपद्रव में शामिल अन्य लोगों की अवैध संपत्तियों को भी ऐसे ही ध्वस्त किया जाएगा।

पुलिस ने अब तक इस घटना में 57 लोगों को आरोपित बनाया है। मुख्य आरोपित तीन मौलवियों ने शोभायात्रा की मंजूरी के बाद से ही इस पर पथराव व हमले की साजिश शुरू कर दी थी, ताकि हिंदू संगठन उनके इलाके से दोबारा यात्रा नहीं निकालें। वाट्सएप ग्रुप बनाकर युवकों को इसके लिए तैयार किया गया। चादर व झोली फैलाकर मुस्लिम इलाकों से आर्थिक सहायता ली गई, ताकि हमले के बाद पकड़े जाने वालों को कानूनी मदद मुहैया कराई जा सके। खंभात से भाजपा विधायक महेश कुमार रावल ने बताया कि उत्तर प्रदेश में बाबा, मध्य प्रदेश में मामा के बाद गुजरात में दादा का बुलडोजर चला है। उनकी शिकायत के बाद ही शुक्रवार को आरोपितों व अन्यों के अवैध अतिक्रमणों को ढहाना शुरू किया गया। रावल ने बताया कोरोना के कारण दो साल से रामनवमी पर शोभायात्रा नहीं निकली थी, इसलिए हिंदू संगठनों में काफी उत्साह था। पुलिस ने खंभात में 27 संवेदनशील पाइंट्स पर पुलिस बल लगाया, लेकिन शक्करपुर में शोभायात्रा पर पथराव कर हमला किया गया।एसडीएम ने कही ये बात

समाचार एजेंसी एएनआइ के मुताबिक, आणंद के प्रांत अधिकारी व एसडीएम निरूपा गढ़वी ने कहा कि हमें डीएम और एसपी द्वारा अवैध निर्माण हटाने के निर्देश दिए गए हैं, जो शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखने के लिए लोगों के आवागमन में बाधा उत्पन्न कर रहे हैं।

एटीएम कार्ड बदलकर ठगी करने वाले आरोपी को एसओजी ने पकड़ा

एटीएम कार्ड के बारे में ज्यादा न जानने वाले मजदूर और गरीब लोगों को टारगेट करने वाले ठग को स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने गुरुवार को पांडेसरा तेरे नाम चौकड़ी के पास से गिरफ्तार किया। पकड़ा गया आरोपी 22 वर्षीय विकास राधेश्याम तिवारी है और वह बमरोली के हरी ओम नगर में रहता है और मूल उत्तर प्रदेश का रहने वाला है। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने आरोपी विकास के कब्जे से पांच एटीएम कार्ड एक मोबाइल और 20,800 रुपए नकदी मिलाकर ₹35,800 का माल बरामद किया है। आरोपी के पास यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, एसबीआई, बीओबी, कालूपुर बैंक और आरबीएल बैंक के एटीएम कार्ड मिला है। आरोपी द्वारा 19 मार्च और 12 अप्रैल को पांडेसरा में दो युवकों के साथ एटीएम कार्ड बदलकर ₹34,300 की ठगी की गई थी। पुलिस ने अन्य तीन एटीएम कार्ड के बारे में बैंक से डिटेल मांगी है। पुलिस के मुताबिक अगर कोई व्यक्ति एटीएम में पैसे निकालने का जाता था तो विकास उसके पीछे का खड़ा रहता हा◌े जाता था और पासवर्ड जानकर मदद करने के बहाने एटीएम कार्ड बदल देता था। इसके बाद एटीएम से पैसे निकाल लेता था।

गुजरात कांग्रेस उपाध्यक्ष AAP में शामिल, अब पाटीदार नेता का होगा 'हार्दिक' स्वागत!

कांग्रेस ने 2017 के गुजरात विधानसभा चुनाव में जब भाजपा को 99 सीटों पर ही सीमित कर दिया था तो उम्मीद की जा रही थी कि शायद 2022 में वह सत्ता के लिए लड़े। लेकिन इस बार उसकी हालत पहले से भी कमजोर नजर आ रही है। अहमद पटेल, राजीव सातव जैसे नेताओं के निधन और राज्य की यूनिट में आपसी कलह से कांग्रेस जूझ रही है। इस बीच उसे एक और बड़ा झटका लगा है। कांग्रेस के सबसे अमीर विधायक रहे इंद्रनील राजगुरु ने पार्टी छोड़ दी है और आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए हैं। अहम बात यह है कि एक महीने पहले ही कांग्रेस ने उन्हें प्रदेश उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी थी। इंद्रनील के कांग्रेस से एग्जिट के साथ ही अब पाटीदार नेता के आम आदमी पार्टी में 'हार्दिक' स्वागत के कयास लग रहे हैं। हार्दिक पटेल ने एक तरफ कांग्रेस पर आरोप लगाया है कि उसके नेता ही चाहते हैं कि मैं पार्टी छोड़ दूं और राहुल गांधी ने कोई सुनवाई नहीं की है तो वहीं

दूसरी तरफ आप के स्टेट चीफ ने उन्हें पार्टी में शामिल होने का न्योता दिया है। ऐसे में कयास तेज हो गए हैं कि क्या हार्दिक पटेल आम आदमी पार्टी में शामिल होंगे। गुजरात की राजनीति के बारे में जानने वाले कहते हैं कि अगले कुछ दिनों में ऐसा हो सकता है। आम आदमी पार्टी के नेताओं ने उनसे संपर्क साधा है और कहा कि कांग्रेस से ज्यादा बेहतर विकल्प आपके लिए यह पार्टी हो सकती है। इंद्रनील राजगुरु ने भी कहा कि वह आप में इसीलिए शामिल हुए हैं क्योंकि भाजपा से मुकाबला करने में वह कांग्रेस के मुकाबले ज्यादा सक्षम है। उन्होंने कहा, 'गुजरात में मतदाता भाजपा को नहीं चाहते, लेकिन वे कांग्रेस से भी संतुष्ट नहीं हैं। मुझे आप पर भरोसा है और इसलिए मैं इस दल में शामिल हो गया हूं।' इंद्रनील राजगुरु का राजकोट और सौराष्ट्र क्षेत्र में अच्छा प्रभाव माना जाता है। उपाध्यक्ष बनाए जाने के बाद कांग्रेस को छोड़ने पर राजगुरु ने कहा, 'गुजरात के लोग स्टेट में एक नई पार्टी देखना चाहते हैं। एक ऐसा दल जो आपस में लड़ने की बजाय उनके बारे में विचार करे। आम आदमी पार्टी राज्य में कांग्रेस या भाजपा के मुकाबले बेहतर विकल्प होगी।' उन्होंने कहा कि लोग भाजपा से परेशान हैं, लेकिन कांग्रेस उसकी जगह लेने की स्थिति में नहीं है।

LSG vs MI फैंटेसी 11 गाइड:केएल राहुल को कप्तान बनाकर हो सकता है फायदा, इन फॉर्म सूर्यकुमार यादव पर भी लगा सकते हैं दांव

आज IPL 2022 में लखनऊ सुपर जायंट्स और मुंबई इंडियंस के बीच आज मुंबई के ब्रेबोर्न स्टेडियम में टक्कर होगी। मुंबई लगातार 5 मुकाबले जरूर हार गई है, लेकिन उसके बल्लेबाजों ने अपनी तूफानी पारी से काफी फैंटेसी पॉइंट्स जिताए हैं। लखनऊ तो लगातार अपने खेल से सामने वाली टीमों के खिलाफ तहलका मचाए हुए है। ऐसे में आज के मैच में भी काफी फैंटेसी पॉइंट्स बरस सकते हैं।

विकेटकीपर

केएल राहुल, क्विंटन डीकॉक और ईशान किशन आज के मुकाबले में अपने बल्ले से कहर बरपा सकते हैं। राहुल ऐसे खिलाड़ी हैं, जो आखिरी तक बल्लेबाजी करने की कोशिश करते हैं। ऐसे में लखनऊ का कप्तान आपके फैंटेसी के लिए लाभकारी हो सकता है। डीकॉक मुंबई के लिए जिस तरह धमाकेदार ओपनर हुआ करते थे, वहीं काम उन्होंने लखनऊ के लिए करना शुरू कर दिया है।

केएल राहुल और डीकॉक की ओपनिंग जोड़ी लखनऊ के लिए रन वर्षा करते हुए आपके लिए धनवर्षा कर सकती है। ईशान हाल-फिलहाल धमाकेदार फॉर्म में रहे हैं। मुंबई को पावर प्ले में तेज शुरुआत देने की जिम्मेदारी ईशान पर है। आज वो मुंबई के लिए सीजन की पहली जीत हासिल करने में सब झोंक देंगे।

बैटर

सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा और डेवाल्ड ब्रेविस आज मुंबई की बैटिंग को मजबूती प्रदान करने में कोई कोरकसर बाकी नहीं छोड़ेंगे। सूर्या लगातार अर्धशतक लगा रहे हैं और उनकी बल्लेबाजी में 360 डिग्री के शॉट्स दिख रहे हैं। तिलक वर्मा को सीजन के सबसे प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ियों में शुमार किया जा रहा है।

राजस्थान के खिलाफ बड़े-बड़े गेंदबाजों को छक्के उड़ाकर तिलक ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा दिया है। आज उनसे बड़ी पारी की उम्मीद है। राहुल चाहर जैसे स्पिनर को 4 गेंदों पर 4 छक्के जड़कर ब्रेविस ने जूनियर एबी के टैग को सही साबित कर दिया है। 112 मीटर का छक्का जड़कर 18 साल के इस लड़के ने दम दिखा दिया है। आज वह भौकाल मचा सकते हैं।

ऑलराउंडर

जेसन होल्डर और दीपक हुड्डा लखनऊ के लिए हरफनमौला प्रदर्शन कर टीम को लगातार मुकाबले जिता रहे हैं। होल्डर की स्लोअर बाउंसर डेथ ओवर्स में बल्लेबाजों को लगातार परेशान कर रहे हैं। दीपक हुड्डा मिडिल ऑर्डर में तूफानी बल्लेबाजी और अच्छी गेंदबाजी से टीम की जीत में लगातार योगदान दे रहे हैं। आज भी उनसे वैसी ही उम्मीद है।

बॉलर

आवेश खान, जसप्रीत बुमराह और रवि बिश्नोई आज के मुकाबले में अपनी गेंदबाजी से उपयोगी साबित हो सकते हैं। तीनों ही गेंदबाज कम इकोनॉमी के साथ विकेट चटका रहे हैं। उनसे वैसे ही प्रदर्शन की उम्मीद है।

KKR की हार के दोषी वरुण चक्रवर्ती:3 ओवर में दे दिए 45 रन, इस सीजन में गायब हो गई है सारी मिस्ट्री, 6 मैचों में सिर्फ 4 विकेट

सनराइजर्स हैदराबाद ने IPL 2022 में शुक्रवार को खेले गए मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स को 7 विकेट से हरा दिया। यह सनराइजर्स की लगातार तीसरी जीत है। वहीं, KKR की 6 मैचों में तीसरी हार है। कोलकाता के इस कमजोर प्रदर्शन के पीछे यूं तो एक से अधिक फैक्टर जिम्मेदार रहे, लेकिन अगर किसी खिलाड़ी पर ही उंगली रखनी तो वह नाम वरुण चक्रवर्ती होंगे।

15 की इकोनॉमी से रन लुटाए

कोलकाता की टीम ने लड़खड़ाने के बावजूद आंद्रे रसेल की 25 गेंदों पर 49 रन की पारी की बदौलत 175 रन चक पहुंचने में कामयाब रही थी। यहां जरूरत थी वरुण चक्रवर्ती कुछ जलवा दिखाएं और सनराइजर्स के कुछ विकेट चटकाएं। लेकिन, विकेट लेना तो दूर वरुण ने अपने 3 ओवर में 45 रन खर्च दिए। यानी हर ओवर में 15 रन।

जब टीम का प्राइम स्पिन गेंदबाज, जिसे मिस्ट्री स्पिनर भी कहा जाता है, इस तरह फेल हो जाए तो टीम क शिकस्त खाना लगभग तय हो जाता है।

सीजन में अब तक रंग में नहीं दिखे ऐसा नहीं है कि केवल यह मैच वैसा रहा हो, जिसमें वरुण फेल हुए हैं। वे इस सीजन में अब तक कुल मिलाकर रंगहीन रहे हैं। 6 मैचों में वे सिर्फ 4 विकेट ले पाए हैं। उनकी मिस्ट्री काम नहीं कर रही। ऐसा लगता है कि बल्लेबाजों ने उनकी मिस्ट्री डिकोड कर ली है।

वर्ल्ड कप में भी फेल रहे थे

पिछले IPL में दमदार प्रदर्शन की बदौलत वरुण यूएई में हुए टी-20 वर्ल्ड कप में भारत की टीम का हिस्सा बनने में सफल रहे थे। लेकिन, उस टूर्नामेंट में भी वे कुछ खास कमाल नहीं कर पाए थे।

पाकिस्तान के खिलाफ मैच में वे 4 ओवर में 33 रन खर्च करने के बावजूद कोई विकेट नहीं ले पाए। हालांकि, उस मैच में कोई भी भारतीय गेंदबाज विकेट नहीं ले सका था। न्यूजीलैंड और स्कॉटलैंड के खिलाफ वे उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। वे 6 इंटरनेशनल मैचों में अब तक सिर्फ 2 विकेट ले पाए हैं।

बीच IPL सुरेश रैना की CSK में वापसी:दीपक चाहर के बाहर होने के बाद फ्रेंचाइजी की रैना से बातचीत जारी, जल्द फैसला होगा

सुरेश रैना की चेन्नई सुपर किंग्स में वापसी हो सकती है। दीपक चाहर के IPL के 15 वें सीजन से बाहर होने के बाद उनकी जगह पर रैना को शामिल किया जा सकता है। सूत्रों के मुताबिक रैना से बातचीत चल रही है, पर अभी इस पर फैसला नहीं हो पाया है।

रैना को IPL में कोई खरीदार नहीं मिला था। रैना पिछले सीजन तक चेन्नई सुपर किंग्स के ही हिस्सा थे। चेन्नई ने उन्हें रिटेन नहीं किया था। वहीं ऑक्शन में भी किसी फ्रेंचाइजी ने दिलचस्पी नहीं दिखाई थी। उनका बेस प्राइस 2 करोड़ रुपये था।

इस वजह से हो सकती है रैना की वापसी

चेन्नई सुपर किंग्स के सूत्रों के मुताबिक, IPL की कमेंट्री कर रहे सुरेश रैना को CSK फिर से अपने साथ जोड़ सकती है। दरअसल अंबाती रायडू का प्रदर्शन इस सीजन में अच्छा नहीं रहा है। रायडू अब तक खेले 5 मैचों में 20.50 की औसत से 82 रन बनाए हैं। चेन्नई को 5 मैचों में से अब तक केवल 1 मैच में ही जीत मिली है।

दीपक चाहर चोट की वजह से बाहर

दीपक चाहर इंजरी की वजह से शुरुआती मैचों में नहीं खेल पाए थे। माना जा रहा था कि वह IPL के बीच में वापसी कर सकेंगे। उन्हें नेशनल क्रिकेट एकेडमी में प्रैक्टिस के दौरान फिर से चोट लग गई। ऐसे में वह IPL के पूरे सीजन से बाहर हो गए हैं। चेन्नई सुपर किंग्स ने दीपक चाहर को 14 करोड़ रुपये में IPL मेगा ऑक्शन में खरीदा था।

रैना IPL में सफल बल्लेबाजों में से एक

रैना IPL इतिहास के सबसे शानदार प्रदर्शन करने वाले में से एक हैं। वह टूर्नामेंट में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में चौथे स्थान पर हैं।

रैना ने 205 मैचों में 32.51 की औसत और 136.76 के स्ट्राइक रेट से 5528 रन बनाए हैं। उन्होंने IPL में एक शतक और 39 अर्धशतक जमाए हैं। इस दौरान उन्होंने 506 चौके और 203 छक्के मारे हैं।

रूस-यूक्रेन जंग का भारत पर असर:फरीद जकारिया बोले- आज के दौर में भारत ज्यादा पॉवरफुल; रूस और पश्चिम दोनों से तालमेल रखने में सक्षम

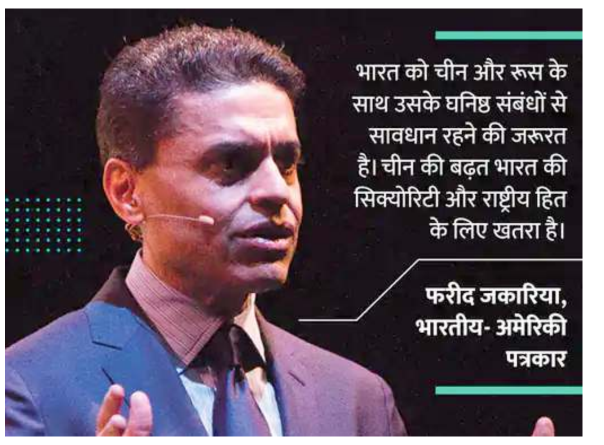

भारतीय- अमेरिकी पत्रकार और वैश्विक मामलों के जानकार फरीद जकारिया ने रूस- यूक्रेन जंग और इसके दुनियाभर में असर को लेकर अहम बातें कही है। जकारिया ने कहा कि भारत रूस के साथ-साथ पश्चिम के साथ संबंध रखने में सक्षम होगा, क्योंकि भारत कोल्ड वॉर के दौर की तुलना में फिलहाल बहुत अधिक शक्तिशाली है।

पश्चिमी देशों के भारत पर रूस के खिलाफ बोलने के लिए दबाव बना रहे हैं। इसके बावजूद भारत अब तक तटस्थ रुख अपनाया है। भारत ने UN में रूस के खिलाफ वोटिंग से भी परहेज किया है। जकारिया ने ये बातें इंडिया टुडे को दिए एक इंटरव्यू में कही है।

चीन से सावधान रहने की जरूरत

यह पूछे जाने पर कि क्या भारत को उस तरह का चुनाव करना होगा जैसा कि कई देशों ने कोल्ड वॉर के दौरान किया। जकारिया ने कहा- मुझे नहीं लगता कि भारत वैसे ही प्रेशर का सामना कर रहा है। क्योंकि यह आज कोल्ड वॉर के समय की तुलना में कहीं अधिक शक्तिशाली देश है। भारत पश्चिम के साथ अच्छे संबंध बनाए रखते हुए रूस के साथ भी उचित संबंध रखने में सक्षम होगा।

हालांकि, जकारिया ने कहा कि भारत को चीन और रूस के साथ उसके घनिष्ठ संबंधों से सावधान रहने की जरूरत है। चीन की बढ़त भारत की सिक्योरिटी और राष्ट्रीय हित के लिए खतरा है। 30-40 साल तक एक ही फॉरेन पॉलिसी रखने का का कोई मतलब नहीं है। भारत के लिए मेरा यही कहना है कि यह देश अपने राष्ट्रीय हित को देखते हुए काम करे।

चीन का रूस का व्यवहारिक समर्थन करने में असफल

ऐसे हालात में जहां चीन रूस का एक जूनियर पार्टनर है। इंडिया को देश हित में फैसले लेने चाहिए। रूस-यूक्रेन जंग में चीन की भूमिका को लेकर जकारिया ने कहा- चीन ने रूस का समर्थन तो किया है लेकिन व्यावहारिक तौर पर उसे मिलिट्री इक्विपमेंट्स मुहैया कराने में असफल रहा है।

कभी-कभी दिल्ली के एलीट क्लास के लोगों को यह कहते हुए सुनता हूं कि पश्चिम का पतन हो रहा है। पूरब के देशों का उदय हो रहा है और भारत इसमें दांव लगाने जा रहा है। जब आप अपने बच्चों को चीनी यूनिवर्सिटी में भेजना बंद कर देंगे, तभी मैं मानूंगा कि आप वास्तव में इन बयानों पर विश्वास करते हैं। भारत एक सोसायटी के तौर पर खुले लोकतंत्र से निपटने में अधिक कंफर्टेबल है।

जंग के बाद नई वैश्विक व्यवस्था की शुरूआत होगी

फरीद जकारिया ने कहा कि यूक्रेन पर रूसी हमला अमेरिकी में हुए 9/11 के आतंकी हमले से कहीं ज्यादा बड़ी घटना है। कोल्ड वॉर के बाद के दौर में यह सबसे अहम इंटरनेशनल इवेंट है। जिस तरह बर्लिन की दीवार के गिरने से एक नई विश्व व्यवस्था की शुरुआत हुई, यूक्रेन पर रूसी हमले का असर भी ठीक वैसा ही होगा।

यह पूछे जाने पर कि क्या रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन सोवियत यूनियन को फिर से खड़ा करना चाहते हैं। जकारिया ने कहा- रूस आखिरी मल्टी नेशनल अंपायर है जो जो डिकोलोनाइजेशम के दौर से गुजर चुका है। रूस के लिए यूक्रेन के बिना सबसे महान होने की सोच बेमानी है। जकारिया ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की तारीफ करते हुए कहा कि जंग के दौरान क्राइसिस को उन्होंने बखूबी हैंडल किया।

इमरान की पहली पत्नी के घर के बाहर प्रदर्शन:जेमिमा ने ट्वीट कर जताई नाराजगी, कहा- मेरा पाकिस्तान की राजनीति से कोई लेना-देना नहीं

इमरान की पहली पत्नी जेमिमा गोल्डस्मिथ ने लंदन में उनके घर के 17 अप्रैल को होने वाले प्रदर्शन के खिलाफ नाराजगी जताई है। जेमिमा ने ट्वीट कर कहा- मुझे लग रहा है जैसे ये 90 का दशक हो और मैं लाहौर पहुंच गई हूं। इमरान या मेरे भाई जैक गोल्डस्मिथ के राजनीतिक फैसलों से मेरा कोई लेना-देना नहीं है। मेरे बच्चों ने भी पाक की राजनीति को लेकर कभी कुछ नहीं कहा है। उनकी इस पोस्ट पर कुछ यूजर उन्हें ट्रोल भी कर रहे है। इमरान खान ने 1995 में जेमिमा से निकाह किया था। हालांकि, 2004 में दोनों का तलाक हो गया था। इसके बाद जेमिमा पाकिस्तान छोड़कर लंदन में बस गई थीं। इस दौरान उन्हें काफी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था।

एक-दूसरे का समर्थन करते हैं बहनोई और साले-साहब

जेमिमा के भाई जैक गोल्डस्मिथ ब्रिटेन के राजनेता हैं। 2010 में इमरान खान जैक के लिए प्रचार करने ब्रिटेन गए थे।

इमरान खान के अविश्वास प्रस्ताव हारने के बाद जैक ने उनके समर्थन में ट्वीट किया था। उन्होंने कहा था- पाकिस्तान में 9 अप्रैल की घटनाओं को देखकर दुख हुआ। इमरान खान चंद ईमानदार राजनेताओं में से हैं। आगामी चुनाव में उन्हें फिर जीत हासिल होगी।

हालांकि, जैक के बयान पर ब्रिटेन सरकार ने कहा कि वे पाकिस्तान की लोकतंत्र व्यवस्था का सम्मान करते हैं। अविश्वास प्रस्ताव का मुद्दा पाक का घरेलू मामला है, जिसमें ब्रिटेन दखल नहीं देगा।

PTI ने बनाई थी नवाज के घर के बाहर प्रदर्शन की योजना

इमरान की पार्टी PTI ने अमेरिकी दूतावास के बाहर विरोध प्रदर्शन की योजना बनाई थी, लेकिन बाद में नवाज शरीफ के घर और पाकिस्तान हाई कमिशन के बाहर प्रदर्शन का फैसला किया गया। इसी के जवाब में PML-N की तरफ से 17 अप्रैल को इमरान की पहली पत्नी जेमिमा गोल्डस्मिथ के घर के बाहर प्रदर्शन करने की योजना बनाई गई थी।

वैज्ञानिकों ने 16 प्रजातियों के म्यूटेशन पर किया स्टडी:इंसान एक साल में केवल 47 म्युटेशन का सामना करते हैं, इसलिए अन्य प्राणियों से ज्यादा आयु

दुनिया में अलग-अलग जानवरों का जीवनकाल भिन्न-भिन्न क्यों है। ऐसा क्यो है कि मनुष्य औसतन 80 साल तक जीवित रहता है और जिराफ 24 साल की उम्र में ही मर जाता है। इस विषय पर हाल ही में कैम्ब्रिज में वेलकम सेंगर इंस्टीट्यूट की एक नई स्टडी नेचर जर्नल में प्रकाशित हुई है।

करीब 16 प्रजातियों के जेनेटिक म्यूटेशन (आनुवांशिक परिवर्तन) के स्टडी में यह सामने आया है कि लंबी या छोटी लाइफ के पीछे अनुवांशिक और म्यूटेशन की दर बड़ा कारण होते हैं। लंबी उम्र जीने वाले जीव म्युटेशन को धीमा कर देते हैं, जो उनके लंबे जीवनकाल में योगदान देता है। जानवरों में अनुवांशिक परिवर्तनों के एक समान पैटर्न को एक दूसरे से चूहे और बाघ के रूप में अलग करना आश्चर्यजनक था, लेकिन स्टडी के अनुसार सोमेटिक म्यूटेशन उम्र बढ़ने में भूमिका निभा सकते हैं।

इंसानों को एक साल में केवल 47 म्युटेशन का सामना करना पड़ता है

इंसान और जानवर में उम्र के फर्क को आप ऐसे समझ सकते हैं कि इंसानों को एक साल में केवल 47 म्युटेशन का सामना करना पड़ता है। वहीं, जिन चूहों की लाइफ 3.7 साल होती है, वे हर साल 796 म्यूटेशन की भारी संख्या का सामना करते हैं। इंसानों की औसतन उम्र 70 से 80 साल होती है।

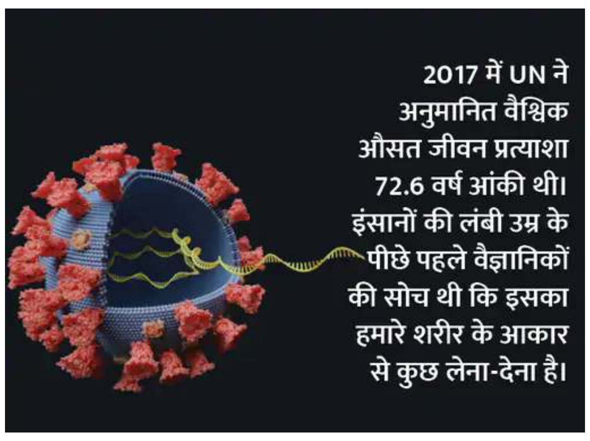

ज्यादा सोमेटिक म्यूटेशन से कैंसर का भी होता है खतरा

सोमेटिक म्यूटेशन ज्यादा होने से शरीर की कोशिकाएं खराब होने लगती है। इससे कैंसर भी हो सकता है।

कंटेट इंजीनियर्स और डांसिंग शिवा के बैनर तले बनने जा रही फ़िल्म 'फुले' का फ़र्स्ट लुक आया सामने, लीड रोल्स में नज़र आएंगेप्रतीक गांधी और पत्रलेखा

देश में सामाजिक बदलाव लाने और महिलाओं को शिक्षा प्रदान करने में अहम भूमिका निभाने वाले महात्मा फुले और सावित्रीबाई फुले दो ऐसी महान शख़्सियतें रहीं हैं, जिनके योगदान को देश कभी नहीं भुला पाएगा। लोगों के जीवन में उल्लेखनीय परिवर्तन लाने की दिशा में काम करने वाली पति-पत्नी की इस जोड़ी पर जल्द ही एक बायोपिक बनने जा रही है।हिंदी फ़ीचर फ़िल्म 'फुले' के लेखन और निर्देशन की कमान राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक अनंत महादेवन के हाथों में है तो वहीं प्रतीक गांधी और पत्रलेखा जैसे उम्दा कलाकार समाज सुधारक और सामाजिक कार्यकर्ता के तौर पर मशहूर महात्मा और सावित्री फुले की मुख्य भूमिकाओं में नज़र आएंगे। कंटेट इंजीनियर्स और डांसिंग शिवा के बैनर तले फ़िल्म 'फुले' का निर्माण किया जाएगा। इस फ़िल्म को देश ही नहीं, बल्कि दुनिया भर में बड़े पैमाने पर रिलीज़ किये जाने की तैयारी की जा रही है। उल्लेखनीय है कि 'फुले' के फ़र्स्ट लुक का अनावरण आज महात्मा फुले की 195वीं वर्षगांठ के मौके पर किया गया। फ़र्स्ट लुक जारीहोते ही लोगों की उत्सुकता बढ़ गयी है, पोस्टर में प्रतीक और पत्रलेखा हूबहू महात्मा और सावित्री फुले की तरह ही दिख रहे हैं। महात्मा फुले और सावित्री फुले ने साझा तौर पर छुआछूत और जातीय भेदभाव के ख़िलाफ़ लम्बे समय तक आंदोलन चलाया था, उन्होंने सत्य शोधक समाज की स्थापना करते हुए पिछड़ी जाति के लोगों के लिए समान अधिकारों के लिए पैरवी और संघर्ष किया था। दोनों का महिलाओं को स्कूली शिक्षा दिलाने के क्षेत्र में भी बहुत योगदान है।"

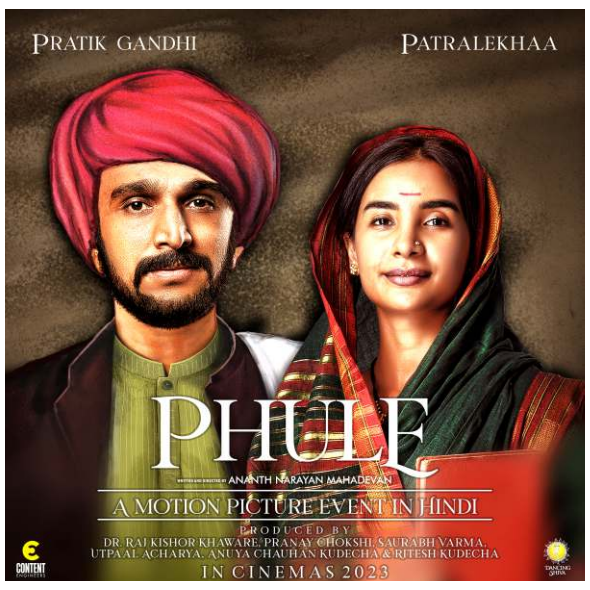

ज्योतिबा फुले के किरदार को निभाने को लेकर बेहद उत्साहित प्रतीक गांधी कहते हैं, "महात्मा फुले का किरदार निभाना और दुनिया के सामने उनके व्यक्तित्व को पेश करना मेरे लिए गौरव की बात है। यह पहला मौका है जब मैं किसी बायोग्राफ़ी में एक अहम किरदार निभा रहा हूँ। इस किरदार को निभाना मेरे लिए किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं है, मगर एक प्रेरणादायी व्यक्तित्व होने के नाते महात्माफुले के रोल को निभाने को लेकर मैं बहुत उत्साहित हूँ।" प्रतीक आगे कहते हैं, "मुझे याद है कि फ़िल्म की कहानी सुनने के बाद मैंने फ़ौरन ही इस फ़िल्म में काम करने के लिए हामी भर दी थी।कुछ किरदारों पर किसी का नाम लिखा होता है और मुझे इस बात की बेहद ख़ुशी है कि अनंत सर ने मुझे इस फ़िल्म में काम करने का ऑफर दिया। मुझे बेहद ख़ुशी है कि कंटेट इंजीनियर्स और डांसिंग शिवा ने महात्मा और सावित्री फुले द्वारा सामाजिक बदलाव के लिए समर्पित किये गये जीवन के बारे में आज की पीढ़ी को अवगत कराने का बीड़ा उठया है।" फ़िल्म में अपने किरदार से बेहद ख़ुश अभिनेत्री पत्रलेखा ने कहा, "मेरी परवरिश मेघालय के शिलॉन्ग में हुई है। यह एक ऐसा राज्य हैजहां पर महिलाओं के हक़ों और फ़ैसलों को पुरुषों से अधिक अहमियत दी जाती है। ऐसे में नारी-पुरुष समानता का विषय मेरे दिल में एक बेहद अहम स्थान रखता है। सावित्री फुले ने अपने पति ज्योतिबा फुले के साथ मिलकर 1848 में पूरी तरह से घरेलू सहयोग सेलड़कियों के लिए एक स्कूल का निर्माण किया था। महात्मा फुले ने विधवाओं के पुनर्विवाह कराने और गर्भपात को नियंत्रित करने के लिए एक अनाथ आश्रम की भी स्थापना की थी। ये फ़िल्म मेरे लिए एक बहुत खास फ़िल्म होगी।"लेखक, एक्टर और डायरेक्टर अनंत महादेवन सिंधुताई सकपाल नामक बायोजिक बनाकार ख़ूब वाहवाही बटोर चुके हैं। फ़िल्म 'मीसिंधुताई सकपाल' के जीवन के अनूठे सफ़र को दर्शाती है। इसमें दिखाया गया है कि किस तरह से सिंधुताई सकपाल ने बेसहारा बच्चोंके लिए एक मसीहा बनकर उनके जीवन में सकरात्मक बदलाव लाने की तमाम तरह की कोशिशें कीं। अनंत महादेवन द्वारा एक स्वतंत्रता सेनानी पर बनाई फ़िल्म 'गौर हरी दास्तां' में एक स्वतंत्रता सेनानी की अपनी ही सरकार से 32 साल तक चली लड़ाई को दिखाया गया है। इन फ़िल्मों के अलावा अनंत महादेवन ने भारत की पहली महिला डॉक्टर रक्माबाई पर इसी नाम से एक फ़िल्म, 'माईघाट' और 'बिटर स्वीट' जैसी फ़िल्मों का निर्देशन कर अलग-अलग कहानियों को बड़े ही संवेदनशील और रोचक तरीके से दर्शकों के सामने पेश किया है। 'फुले' के बारे में अनंत महादेवन ने कहा, "हमारे देश में ऐसी कई अनकही कहानियां मौजूद हैं जिनके बारे में लोगों को ज़्यादा कुछ पता नहीं है और अज्ञात कारणों से ऐसी प्रेरक कहानियों को इतिहासकारों ने लोगों के सामने नहीं आने दिया। ऐसे में सिनेमा इस तरह केअज्ञात नायकों/नायिकाओं को आज की युवा पीढ़ी से जोड़ने का एक बेहतरीन माध्यम है। ज्योतिबा और सावित्री फुले भारत मेंसामाजिक क्रांति के लिए जाने जाते थे और इस फ़िल्म से जुड़े बेहतरीन कलाकार और पूरी टीम, एक उम्दा फ़िल्म बनाने को लेकर बेहद उत्साहित है।"

प्रतीक गांधी और पत्रलेखा स्टारर और अनंत महादेवन निर्देशित इस फ़िल्म का निर्माण डॉ. राज किशोर खवाड़े, प्रणय चौकशी, सौरभवर्मा, उत्पल आचार्य, अनुया चौहान कुडेचा और रितेश कुडेचा ने किया है।

लक्ष्मी नारायण ग्रुप ऑफ कंपनीज के प्रमुख उमेश शेट्टी ने सहारा स्टार होटल में एनएच स्टूडियो और टाइम ग्रुप के भव्य समारोह की मेजबानी की

मुंबई।डॉ.जयंतीलाल गाड़ा के साथ उमेश शेट्टी, एनएच स्टूडियो के नरेंद्र हीरावत, टाइम के धीरूभाई और हसमुख भाई ने शुभ दीप प्रज्ज्वलित किया और उमेश शेट्टी ने एसोसिएशन के लिए भाषण दिया। उसी मंच पर मूवी और वेबसीरीज लॉन्च के अलावा तीन लोंगो का जन्मदिन भी मनाया गया।जिसमें उमेश शेट्टी के बेटे देवी प्रसाद शेट्टी, बॉलीवुड आइकन व हीरो जीतेंद्र और टाइम ग्रुप हेड प्रवीण शाह का जन्मदिन जोरदार तरीके से मनाया गया।

समारोह में शामिल होने वाली हस्तियों में सोहेल खान, नाना पाटेकर, जीतेंद्र, सुखविंदर सिंह, पेन स्टूडियो के जयंतीलाल गाड़ा, रजत बेदी (जिनकी कंपनी ट्रिफ्लिक्स एंटरटेनमेंट,जोकि टाइम के साथ कुछ फिल्मों का सह-निर्माण कर रही है), चीता यजनेश शेट्टी, सनी सिंह, गुरमीत चौधरी, राखी सावंत, ईशा कोप्पिकर, जॉनी लीवर, अर्जन बाजवा, सिद्धांत कपूर, मुकेश ऋषि, कुमार तौरानी और रमेश तौरानी, वीनस रिकॉर्ड्स एंड टेप्स के गणेश जैन, मनमोहन शेट्टी, सतीश कौशिक, अशोक पंडित, आनंद पंडित और अन्य थे,जिन्होंने कार्यक्रम में शामिल इसे सफल बनाया।लक्ष्मी नारायण ग्रुप ऑफ कंपनीज के प्रमुख उमेश शेट्टी ने सहारा स्टार होटल में एनएच स्टूडियो और टाइम ग्रुप के भव्य समारोह की मेजबानी की।

बैंग्लोर के गांव के रहनेवाले राम गौड़ा की बतौर हीरो पहली फिल्म 'दिलमार'

ड्राइवर से फिल्म हीरो बने राम गौड़ा

बैंग्लोर के गांव के किसान परिवार के युवा व बहुमुखी प्रतिभाशाली राम गौड़ा ने आज से १५ साल पहले बतौर ड्राइवर से अपने कैरियर की शुरुवात की थी और उसके बाद काफी स्ट्रगल के बाद फिल्म इंडस्ट्री में आये और जहाँ पर सहायक, निर्देशक, सहनिर्माता व निर्माता इत्यादि के तौर पर कन्नड़, तमिळ, तेलगु व बंगाली इत्यादि सभी भाषाओं की फिल्मों से लगभग फिल्म के हर डिपार्टमेंट में काम किया। फिर उनकी मेहनत रंग लाई और तक़दीर ने भी चमत्कार किया और बतौर हीरो पहली फिल्म "दिलमार" मिली। जोकि कन्नड़, तमिल, तेलगु व हिंदी में जल्द ही रिलीज़ होनेवाली है। सुपरहिट फिल्म केजीएफ,केजीएफ 2 व सालार के डायलॉग राइटर एम चंद्रमौली इस फिल्म को निर्देशित किया है।

राम गौड़ा की बतौर हीरो अपनी पहली फिल्म "दिलमार" के बारे में कहते है," यह एक एक्शन, रोमांस से भरपूर मसाला फिल्म है। मैं थोड़ा टप्पोरी टाइप की भूमिका कर रहा हूँ। जिसके माँ बाप नहीं है। मेरे साथ तेलगु फिल्म की फेमस हीरोइन डिम्पल हयाथी ने काम किया है। यह जल्द ही रिलीज़ होनेवाली है।"

ड्राइवर से फिल्म हीरो बनने के सफर के बारे में अभिनेता राम गौड़ा कहते है," मैं हमेशा काम में व्यस्त रहना पसंद करता हूँ। मैं काम को छोटा बड़ा नहीं मानता हूँ। इसलिए मैंने हरतरह का काम किया और तक़दीर ने साथ दिया मैं आज हीरो बन गया। जीवम में मेहनत के साथ लक का होना जरुरी है। मैं सभी को धन्यवाद देता हूँ, जिन्होंने यहाँ तक पहुंचने में मदद की।"

इसके अलावा राम गौड़ा ने कुछ फिल्में साइन किया है।जिसमें से 'फ्रीडम एट मिड नाइट' (निर्देशक चंद्र मौली) और 'ऑपरेशन खिलाड़ी' (निर्देशक संजीव कृष्णमूर्ति) इन दो फिल्मों का निर्माण टाइम फिल्म्स,एनएस स्टूडियो, ट्रिफ्लिक्स, निंजूर पिक्चर्स द्वारा किया जा रहा है। जिसे हिंदी, कन्नड़, तमिल और तेलुगू भाषाओं में बनाया जाएगा। इसके बारे में राम गौड़ा कहते है," मैं चीता यजनेश शेट्टी को धन्यवाद देता हूँ, जिनके द्वारा यह फिल्में मिली और बॉलीवुड में भी इंट्री मिल गयी। इसके अलावा मैं प्रवीण शाह, सगुन वाघ,श्रीदेवी, रजत बेदी और टाइम वीडियो की उनकी पूरी टीम की आभारी हूं। जिन्होंने मुझे बॉलीवुड में मौका दिया।"

रणबीर कपूर, आलिया भट्ट की शादी: मिलिए कपूर परिवार से, आलिया अब एक हैं

नई दिल्ली: कपूर परिवार ने आलिया भट्ट का परिवार में प्यार से स्वागत किया है। आलिया भट्ट और रणबीर कपूर ने 14 अप्रैल को शादी की थी और अब अरमान जैन की पत्नी अनीसा मल्होत्रा ने शादी की तस्वीरें शेयर की हैं। आलिया कपूर, नंदा और जैनियों के साथ पोज देती नजर आ रही हैं। फोटो में करीना कपूर, करिश्मा कपूर हैं, जो रणबीर के चाचा रणधीर कपूर की बेटी हैं। रणबीर की बहन रिद्धिमा कपूर साहनी। रणबीर कपूर की मौसी रीमा जैन के बच्चे आधार जैन, अरमान जैन और उनकी पत्नी अनीसा मल्होत्रा। रणबीर की चाची स्वर्गीय रितु नंदा के बेटे निखिल नंदा, बहू श्वेता बच्चन नंदा और पोती नव्या नवेली नंदा और नवविवाहित रणबीर कपूर और आलिया भट्ट। एक तस्वीर में रणबीर और अनीसा भी आकाश अंबानी और उनकी पत्नी श्लोका मेहता के साथ पोज देते हुए नजर आ रहे हैं। अनीसा मल्होत्रा ने तस्वीरों को कैप्शन दिया, "इस खूबसूरत जोड़ी को अंदर से बाहर करने के लिए पारिवारिक बधाई।"

उनकी आने वाली फिल्म ब्रह्मास्त्र के सेट पर प्यार हो गया। उन्होंने पांच साल तक डेट किया और 14 अप्रैल को शादी कर ली। शादी में केवल करीबी दोस्त और परिवार के सदस्य ही शामिल हुए। शादी के बाद, आलिया भट्ट ने बड़े दिन की तस्वीरें साझा कीं और उन्हें कैप्शन दिया, "आज, हमारे परिवार और दोस्तों से घिरा हुआ, घर पर ... हमारे पसंदीदा स्थान पर - जिस बालकनी में हमने अपने रिश्ते के पिछले 5 साल बिताए हैं - हमने शादी कर ली है। हमारे पीछे पहले से ही बहुत कुछ है, हम एक साथ और यादें बनाने के लिए इंतजार नहीं कर सकते ... यादें जो प्यार, हंसी, आरामदायक चुप्पी, मूवी नाइट्स, मूर्खतापूर्ण झगड़े, शराब प्रसन्नता और चीनी काटने से भरी हैं। धन्यवाद आप सभी के प्यार और रोशनी के लिए हमारे जीवन में इस महत्वपूर्ण समय के दौरान। इसने इस पल को और भी खास बना दिया है। प्यार, रणबीर और आलिया।"

हिंदी सिनेमा में फिर हीरो बनने की सोनू सूद की कोशिशें बेकार, लौटकर फिर पहुंचे तेलुगू में विलेन बनने

हाल ही में रिलीज हुए फिल्म आचार्य के ट्रेलर में यूं तो बहुत कुछ ऐसा था जिसने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा। लेकिन इस ट्रेलर में एक किरदार ऐसा भी नजर आया जिसकी एक झलक ने सबको आकर्षित कर लिया। फिल्म इंडस्ट्री के मशहूर अभिनेता सोनू सूद बड़े पर्दे पर अपने खलनायक वाले किरदार के काफी मशहूर हैं। साउथ फिल्मों में जाने- माने विलेन सोनू सूद ने हीरो बनने की चाह में बॉलीवुड की तरफ रुख किया था। हालांकि, हिंदी सिनेमा में कुछ खास किरदार ना मिलने की वजह से लगता है सोनू सूद एक बार फिर अपने पुराने अंदाज में लौट आए हैं। अपने खुंखार किरदारों के मशहूर अभिनेता के जीवन में एक समय ऐसा भी था जब उन्हें साउथ फिल्मों में नकारात्मक किरदार मिलने तक बंद हो गए थे। इसकी वजह जान आप खुद भी हैरान रह जाएंगे। दरअसल, कोरोना काल में अभिनेता ने जरूरतमंदों की जमकर मदद की थी। ऐसे में लोगों की मदद कर महीसा बने सोनू सूद को फिल्म मेकर्स ने अपनी फिल्मों में खलनायक का किरदार देने से इनकार कर दिया। साउथ इंडस्ट्री में विलेन बन नाम कमाने वाले सोनू सूद ने साल 1999 में तमिल फिल्म काल्लाझगर और नैंजीनीले से अपना डेब्यू किया। इसके बाद उनकी प्रतिभा को देखते हुए उन्हें की फिल्मों में विलेन की भूमिका मिलने लगी। विलेन बन अपनी पहचान बनाने वाले सोनू सूद में मन में पर्दे पर हीरो बनने की चाह अब भी जिंदा थी। अपनी इसी इच्छा को पूरा करते हुए उन्होंने साल 2002 में बॉलीवुड फिल्म शहीद-ए-आजम में भगत सिंह की भूमिका निभाकर सबका दिल जीता। इसके बाद सोनू सूद ने युवा, आशिक बनाया आपने, जोधा अकबर, सिंह इज किंग, दबंग, आर राजकुमार, शूटआउट एट वडाला, तूतक तूतक तूतिया, पलटन और सिंबा जैसी फिल्मों में भी काम किया। लेकिन इन फिल्मों में वह महज सहायक कलाकार ही बन पाए। ऐसे में बड़े पर्दे पर हीरो बनने में नाकाम रहे सोनू सूद ने एक बार फिर अपने पुराने किरदार को अपना लिया है। हाल ही में सामने आए राम चरण और चिरंजीवी स्टारर फिल्म आचार्य के ट्रेलर में अभिनेता सोनू सूद फिर अपने खलनायक वाले अंदाज में नजर आए। फिल्म के ट्रेलर में भले ही एक्टर की एक झलक दिखाई गई हो, लेकिन इस एक झलक को देख यह साफ हो गया है कि सोनू सूद ने अपने पुराने किरदार में एक बार फिर से एंट्री कर ली है। अभिनेता की यह फिल्म इसी साल 29 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

रॉकी भाई की सीटीमार एंट्री ने ऐसे लूटी महफिल, कांचा छूटा पीछे, अधीरा को देख पक्का डर जाओगे

फिल्म 'केजीएफ चैप्टर 2' यानी 'केजीएफ 2' को देखने के बाद सबसे पहले वह बात जो सभी लोग सबसे पहले जानना चाहते हैं, 'क्या केजीएफ 3' भी बनेगी? तो इसका जवाब हां में है। फिल्म बनाने वालों ने फिल्म के अगले अध्याय का सूत्र फिल्म के क्लाइमेक्स में दिखा दिया है। फिल्म 'केजीएफ चैप्टर 2' एक विशाल कैनवस के लिए सोची गई कहानी है। आईमैक्स पर इसे देखने का आनंद ही कुछ और है, हां, बशर्ते सिनेमाघर का ऑडियो सिस्टम ठीक से काम कर रहा हो। सिनेमा दृश्य श्रव्य माध्यम है, अंग्रेजी में ऑडियो विजुअल। जो दिख रहा है और जो सुनाई दे रहा है, उसका संतुलन फिल्म 'केजीएफ चैप्टर 2' में कमाल का साधा गया है। परदे पर कुछ नहीं दिख रहा हो और आवाज आ रही हो तो भी दर्शक समझ जाता है कि आखिर चल क्या रहा है! ये फिल्म सिनेमा में 'एंग्री यंगमैन' का वजूद भी तलाशती है और जिस तरह यश के परदे पर पहले प्रवेश पर सिनेमाहॉल में दर्शकों की सीटियां, तालियां और शब्दावलियां गूंजती हैं, उनसे लगता यही है कि सिनेमा असल में यही है। दिस इज यश।

सोने की तस्करी, पैसे का खेल

फिल्म 'केजीएफ चैप्टर 2' की कहानी कोलार गोल्ड फील्ड पर कब्जे की कहानी में पिछली फिल्म में ही तब्दील हो चुकी थी। मुंबई से निकला रॉकी अब दुनिया पर राज करना चाहता है। प्रधानमंत्री कार्यालय के प्रतीक्षा कक्ष में वह अपना परिचय देश के सीईओ के रूप में देता है। सोने के अवैध कारोबार की देश विदेश से कड़ियां जोड़ती ये फिल्म देश की वित्तीय व्यवस्था की उस कमजोर कड़ी पर भी चोट करती है, जिसमें गुमनाम लोगों के बैंक खाते खोलकर लोग रातों रात अरबपति बन गए। फिल्म 'केजीएफ चैप्टर 2' की कहानी सुनाने के लिए इस बार आनंद नहीं है। कहानी उनका बेटा विजयेंद्र सुना रहा है। कहानी के किरदार जाने पहचाने हैं। फिल्म अपनी पूर्ववर्ती फिल्म 'आरआरआर' की तरह दिल्ली तक चढ़कर आती है। दक्षिण में बन रहे सिनेमा की कहानी को उत्तर तक लाने की जो शुरुआत मणिरत्नम ने फिल्म 'रोजा' में की थी, उस परंपरा की वाहक अब 'आरआरआर' और 'केजीएफ चैप्टर 2' जैसी मेगा बजट फिल्में बन रही हैं।

जानदार पटकथा, शानदार संवाद

निर्देशक प्रशांत नील की फिल्म 'केजीएफ चैप्टर 2' को लेकर हिंदी भाषी दर्शकों में 'आरआरआर' से बेहतर उत्साह है। फिल्म भी ये 'आरआरआर' से बेहतर बन पड़ी है। हालांकि, 'आरआरआर' और फिल्म 'केजीएफ चैप्टर 2' दोनों की कम से कम एक कमजोर कड़ी समान है और वह है इनका जरूरत से ज्यादा लंबा खिंचता क्लाइमेक्स। 'केजीएफ 2' को हिंदी में लिखने वाली टीम ने कमाल का काम किया है। इसके संवाद आपको आखिर तक याद रह जाते हैं, जैसे, 'यहां सिर शाश्वत नहीं है, सिर्फ ताज शाश्वत है'। या फिर, 'हिम्मत के लिए दो चीजें चाहिए होती हैं, एक पागलपन और दूसरा ईमानदारी। पागलपन हम यहां रोज देखते हैं, ये देखो ईमानदारी..!' फिल्म में एक जगह रॉकी ये भी कहता है कि ये मां की जिद की कहानी है। लेखक और निर्देशक प्रशांत नील के जुनून से बनी इस फिल्म में सलीम-जावेद की लिखावट के सारे फॉर्मूले हैं। ध्यान से देखेंगे तो यश के हावभाव, उनके पहनावे, उनकी अकड़ और उनके रुआब में आपको कभी 'दीवार', कभी 'शोले' तो कभी 'सुहाग' के अमिताभ बच्चन का अक्स नजर आएगा। बड़े परदे पर सत्तर के दशक में देश के गुस्से को एक रूप देने की सलीम-जावेद की कोशिश को अमिताभ बच्चन ने 'एंग्री यंगमैन' का आकार दिया।

करियर विकल्प के रूप में डिजाइन अध्ययन

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

नई शिक्षा नीति अभिनव कौशल आधारित कार्यक्रमों के विभिन्न चैनलों को खोलने पर केंद्रित है जो भविष्य के उद्यमिता और पेशेवर रूप से सुसज्जित नेताओं के लिए अवसर पैदा करेंगे। कोर डिजाइन अध्ययन के कई संबद्ध क्षेत्रों ने अब स्वतंत्र विशेषज्ञता का दर्जा हासिल कर लिया है। व्यापक संगठनात्मक गतिविधियों की हालिया कार्य-विभाजन संरचना कई विकेन्द्रीकृत सेवा प्रदाताओं के एक पंथ को बनाने में विभाजित हो गई है, जिनमें से प्रत्येक कोर कौशल सेट अपने हिस्से के जिम्मेदारियों को आसानी, सटीक और समयबद्ध तरीके से वितरित करने में सक्षम है।

आर्किटेक्चर एजुकेशन जैसे कोर डिजाइन प्रोग्राम डिजाइन स्टडीज के केंद्र के रूप में उभरे हैं और इससे उभरने वाले विशिष्ट हितों को विकसित करने के लिए पर्याप्त जगह और उत्तोलन का निर्माण हुआ है। डिजाइन अध्ययन आधारित कार्यक्रम की विशिष्टता यह है कि वे जीवन कौशल विकसित करने में निहित हैं जिनका सार्वभौमिक अनुप्रयोग है। डिज़ाइन प्रोग्राम विज़ुअलाइज़ेशन के साथ-साथ चित्रमय प्रतिनिधित्व विकसित करते हैं।

एक बहुमुखी क्षेत्र होने के कारण डिजाइन उद्योग और संबंधित डिजाइन कार्यक्रम पहले प्रतिभाशाली रचनात्मक विशेषताओं और ड्राइंग कौशल वाले उम्मीदवारों के लिए माना जाता था, हालांकि आज नवीनतम गैजेट्स और सॉफ्टवेयर के आगमन के साथ यह मिथक अब प्रासंगिक नहीं है।

उपलब्ध जानकारी और ज्ञान की मात्रा कौशल सेट विकसित कर सकती है जो एक रचनात्मक पेशेवर को समर्पित और प्रतिबद्ध कार्य के

विकास के साथ बातचीत को प्रोत्साहित करता है। डिज़ाइन पेशेवर व्यक्तिगत पसंद और रुचियों के आधार पर व्यापक दायरे में काम कर सकते हैं।

डिज़ाइन कार्यक्रम विशिष्ट कौशल सेट आधारित कार्यक्रम हैं और सीखने की प्रक्रिया में संरक्षक और सलाहकार की भागीदारी की आवश्यकता होती है।

साथ मंथन करने के लिए पर्याप्त हैं।

यदि आप डिजाइन के क्षेत्र में करियर की जांच करना चाहते हैं तो आप इस तरह के कार्यक्रमों के बारे में अधिक जानने और प्रवेश प्रक्रिया, योग्यता और इसके लिए आवश्यक तैयारी के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए n a t a . i n और tsapmumbai.in की वेबसाइट देख सकते हैं।

कृष्णा चौहान फाउंडेशन द्वारा 4 मई को आयोजित होगा लीजेंड दादासाहेब फाल्के अवार्ड - 2022

मुम्बई। भारतीय फिल्मों के पितामह कहे जाने वाले दादासाहेब फाल्के भारतीय सिनेमा के जनक थे। उस महान हस्ती को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए उनकी स्मृति में डॉ कृष्णा चौहान 'लीजेंड दादासाहेब फाल्के अवार्ड का भव्य आयोजन पिछले 2 वर्षों से करते आ रहे हैं। अब तीसरे वर्ष कृष्णा चौहान फाउंडेशन द्वारा लीजेंड दादासाहेब फाल्के अवार्ड - 2022 का आयोजन 4 मई 2022, को शाम को 6 बजे से रात 10 बजे तक आयोजित किया जाएगा।

4 मई बड़ा ही विशेष दिन है, इसी दिन डॉ. कृष्णा चौहान का जन्मदिन भी है।डॉ. कृष्णा चौहान (संस्थापक, कृष्णा चौहान फाउंडेशन) का कहना है कि हम तीन साल से लगातार अवार्ड फंक्शन का आयोजन कर रहे हैं। इस बार यह पुरस्कार समारोह पहले से बड़ा और बेहतर होगा। भारतीय फिल्मों और उसकी तरक्की में उल्लेखनीय योगदान देने वालों को इस पुरस्कार से सम्मानित किया

जाता है। इस बार भी काफी सारी हस्तियां इस समारोह में शामिल होंगी।आपको बता दें कि हाल ही में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर डॉ कृष्णा चौहान द्वारा 'मिस एंड मिसेज इंडिया व नारी शक्ति सम्मान 2022' का आयोजन हुआ था।मिस एंड मिसेज इंडिया मुकाबले में कई महिलाओं ने भाग लिया।

कई राउंड में यह ब्यूटी कांटेस्ट हुआ जहां सभी प्रतियोगी ने अपनी प्रतिभा और आत्मविश्वास का प्रदर्शन किया। उल्लेखनीय है कि डॉ कृष्णा चौहान न केवल एक कामयाब फ़िल्म निर्देशक एवं समाज सेवक हैं बल्कि अवार्ड्स फंक्शन करने के मामले में सबसे अधिक सुर्खियों में रहने वाले पर्सनाल्टी माने जाते हैं।

उनका एक अवार्ड फंक्शन सम्पन्न होता है और वह अपने अगले पुरस्कार समारोह की तैयारियों में लग जाते हैं। उन्होंने नए साल 2022 में मुम्बई के मेयर हॉल में 'बॉलीवुड आइकोनिक अवार्ड 2022' का सफल आयोजन किया। और फिर इन्होंने नारी शक्ति सम्मान 2022 का सफल आयोजन करके यह सिद्ध कर दिया है कि वह अवार्ड्स के शंहशाह हैं।

इस अवसर पर बॉलीवुड की सेलिब्रिटीज़ तथा सोशल वर्क के लिए कई हस्तियों को सम्मानित किया गया। कृष्णा चौहान फाउंडेशन (केसीएफ) के अंतर्गत कृष्णा चौहान कई अवार्ड्स शो का आयोजन करते आये हैं। केसीएफ के अंतर्गत बॉलीवुड लीजेंड अवॉर्ड, बॉलीवुड आइकोनिक एवॉर्ड, लीजेंड दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड और महात्मा गांधी रत्न अवार्ड का आयोजन पिछले कई वर्षों से किया जाता रहा है।

4 मई 2022 को अपने जन्मदिन के अवसर पर डॉ कृष्णा चौहान लीजेंड दादा साहेब फाल्के अवार्ड 2022 का भव्य आयोजन करने वाले हैं।

रूस-यूक्रेन युद्ध के व्यवधानों के बाद मिस्र भारत को नए गेहूं आपूर्तिकर्ता के रूप में जोड़ता है

वाणिज्य और उद्योग, उपभोक्ता मामले और खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को घोषणा की कि मिस्र ने भारत को गेहूं आपूर्तिकर्ता के रूप में मंजूरी दे दी है। उन्होंने यह भी कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण उत्पन्न व्यवधानों के मद्देनजर प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी सरकार आगे बढ़ रही है क्योंकि दुनिया स्थिर खाद्य आपूर्ति के लिए विश्वसनीय वैकल्पिक स्रोतों की तलाश कर रही है।

इसके अतिरिक्त, मिस्र के आपूर्ति मंत्रालय ने इस सप्ताह की शुरुआत में पुष्टि की कि वह इस महीने भारत से गेहूं को अपने राज्य के अनाज खरीदार द्वारा स्वीकार किए गए 16 अन्य राष्ट्रीय आयात मूल में जोड़ने पर विचार कर रहा था, क्योंकि यह रूस के यूक्रेन पर आक्रमण से बाधित खरीद को किनारे करना

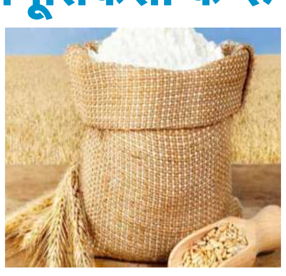

चाहता है, जैसा कि रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार .

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने ट्वीट किया, "मिस्र के कृषि क्वारंटाइन के प्रमुख डॉ. अहमद अल-अतर को मिली रिपोर्ट के मुताबिक, कृषि मंत्री ने गेहूं आयात के लिए एक नई सुविधा के रूप में भारत के ट्रस्ट की घोषणा की."

मिस्र, अक्सर दुनिया का शीर्ष गेहूं आयातक, आमतौर पर अपने राज्य अनाज खरीदार, आपूर्ति वस्तुओं के लिए सामान्य प्राधिकरण (जीएएससी) द्वारा निर्धारित निविदाओं के माध्यम से अनाज खरीदता है। खरीद 60 मिलियन से अधिक मिस्रवासियों के लिए उपलब्ध भारी सब्सिडी वाली रोटी की ओर जाती है।

GASC की टेंडर बुक में वर्तमान में रूस, यूक्रेन, फ्रांस, जर्मनी, कजाकिस्तान और संयुक्त राज्य अमेरिका सहित 16 मान्यता प्राप्त गेहूं आयात मूल हैं। सबसे हाल ही में जोड़ा गया, लातविया, पिछले नवंबर में जोड़ा गया था।

जीएएससी अक्सर काला सागर गेहूं को इसकी निकटता, गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धी कीमतों के कारण पसंद करता है, लेकिन फरवरी के अंत में यूक्रेन पर रूस के आक्रमण ने वैश्विक गेहूं की कीमतों को बढ़ा दिया है और काला सागर शिपिंग को बाधित कर दिया है, हालांकि रूस से गेहूं शिपमेंट मार्च में जारी रहा।

भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की 131वीं जयंती धूमधाम से मनायी गयी

मीरा भायंदर मनपा क्षेत्र में भारत रत्न डॉ बाबासाहेब अंबेडकर की 131वीं जयंती धूमधाम से मनाई गयी गत 14 अप्रैल 2022 को सुबह नौ बजे काशीमीरा स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज के घुड़सवारी स्मारक पर माल्यार्पण किया गया। उसके बाद सुबह 9.30 बजे भायंदर वेस्ट गेट पर महामानव भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। उसके बाद छत्रपति शिवाजी महाराज और भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया।

साथ ही सुबह 10.00 बजे मनपा मुख्यालय के द्वितीय तल पर भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर की छवि पर पुष्प अर्पित किए गये इस अवसर पर शहर की महापौर ज्योत्सना हसनले एवं आयुक्त दिलीप ढोले के हाथों माल्यार्पण किया गया।

माल्यार्पण करने वालो मे उप महापौर हसमुख गहलोत स्थायी समिति के अध्यक्ष राकेश शाह, अतिरिक्त आयुक्त विजयकुमार म्हसाल, अतिरिक्त आयुक्त संभाजी पानपट्टे,मनपा अभियंता शिवाजी बारकुंड, उपायुक्त (मुख्यालय) मारुति गायकवाड़, उपायुक्त (लोक स्वास्थ्य) रवि पवार, नगर सचिव वासुदेव शिरवलकर, सभी सहायक आयुक्त, उपाधीक्षक पार्क, विभागाध्यक्ष एवं अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

गुजरात: खंभात हिंसा के आरोपियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, जिला प्रशासन ने अतिक्रमण की गई संपत्तियों को ढहाया

राम नवमी के अवसर पर गुजरात के खंभात में हुई सांप्रदायिक हिंसा के आरोपियों के खिलाफ आणंद जिला प्रशासन ने बड़ा कदम उठाया है।

गुजरात के खंभात में हुई हिंसा के आरोपियों की संपत्ति को जिला प्रशासन ने शुक्रवार को ढहाने की कार्रवाई की। जिला प्रशासन ने कहा कि आरोपियों की उन संपत्तियों को ढहाया जा रहा है जिन पर जबरन कब्जा किया गया था।

प्रदेश के आणंद जिले में स्थित खंभात में राम नवमी के अवसर पर हुई सांप्रदायिक हिंसा को लेकर पुलिस ने दावा किया है कि यह साजिश एक समुदाय पर प्रभुत्व पाने के लिए और हिंदुओं को 'सबक' सिखाने के लिए रची गई थी।

दिल्ली में कोरोना: संक्रमण की बढ़ती रफ्तार से सरकार चिंतित

सिसोदिया बोले- एडवायजरी के मुताबिक फैसला लें स्कूल

दिल्ली में कोरोना संक्रमण की बढ़ती रफ्तार से सरकार और स्वास्थ्य महकमा चिंतित है। स्कूलों में आने वाले मामलों ने ये चिंता और बढ़ा दी है। शुक्रवार को केजरीवाल सरकार के डिप्टी सीएम ने कहा कि दिशानिर्देश बताते हैं कि केवल विशिष्ट विंग या कक्षा, जहां कोई कोविड संक्रमित पाया गया था, उसे अस्थायी रूप से बंद किया जाना चाहिए। स्कूल ऐसे मामलों को देखते हुए पूरे परिसर को भी बंद करने का निर्णय ले सकते हैं, जहां एक भी संक्रमित मिला हो।बढ़ते मामलों को देखते हुए सभी निजी स्कूलों को दिशा-निर्देश

शिक्षा निदेशालय, दिल्ली सरकार ने कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए सभी निजी स्कूलों को दिशा-निर्देश जारी किए हैं। निदेशालय ने कहा कि संक्रमण के मामले स्कूल प्राधिकरण के सामने आते हैं तो उन्हें शिक्षा निदेशालय और संबंधित विंग या स्कूल को सूचित किया जाना चाहिए। साथ ही विंग को या फिर मामलों को देखते हुए पूरे स्कूल कुछ समय के लिए बंद कर देना चाहिए।

20 को होगी डीडीएमए की बैठक

राष्ट्रीय राजधानी में कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए मौजूदा स्थिति पर चर्चा करने के लिए दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक 20 अप्रैल को होगी। एलजी अनिल बैजल, सीएम अरविंद केजरीवाल, डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया, स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन मौजूद रहेंगे।

आईसीयू में भर्ती मरीज ने चिकित्सक पर कैंची से किया हमला

नयी दिल्ली, पश्चिमी दिल्ली के तिलक नगर स्थित एक अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में भर्ती एक मरीज ने इलाज करने आये चिकित्सक पर कैंची से हमला कर दिया। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि चिकित्सक के हाथ में मामूली चोट आयी है। वह खुद को बचाने में सफल रहे। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि घटना उस समय हुई जब चिकित्सक आईसीयू में भर्ती 40 वर्षीय मरीज का इलाज करने पहुंचे थे। अधिकारी ने कहा कि मरीज ने अस्पताल से भागने के लिए कैंची से उन पर हमला किया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि शराब की लत और कभी-कभार पड़ने वाले दिमागी दौरे के इलाज के लिए मरीज को 13 अप्रैल को अस्पताल में भर्ती करवाया गया था।

रेलवे के गौरवशाली170वें वर्ष और आजादी के अमृत महोत्सव पर कार्यक्रम

- वर्ल्ड हेरिटेज डे पर पायनियर रेलवे द्वारा अद्वितीय लाइट और साउंड कमे परफॉर्मेंस शो -नवरसंगम - एक गाथा सीएसएमटी की
- 16अप्रैल, 1853को मुंबई और ठाणे के बीच चली। भारतीय रेले16अप्रैले2020से राष्ट्र की सेवा के गौरवशाली170वें वर्ष में प्रवेश
- मध्य रेल सीएसएमटी यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट पर एक अद्वितीय लाइट और साउंड कम परफॉर्मेंस शो प्रस्तुत कर रहा है।

मुंबई तरंग
गणेश पाण्डेय । मुंबई

समुचे एशिया (और भारत) में पहली ट्रेन शनिवार,16 अप्रैल, 1853 को मुंबई और ठाणे के बीच चली। भारतीय रेल 16 अप्रैल 2022 से राष्ट्र की सेवा के गौरवशाली 170 वें वर्ष में प्रवेश कर रही है। भारत में रेलवे की पहली यात्रा को मनाने के लिए, 'आज़ादी' का अमृत महोत्सव',रेलवे सप्ताह और वर्ल्ड हेरिटेज डे (18.4.2022) के उपलक्ष्य में,मध्य रेल सीएसएमटी यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट पर एक अद्वितीय लाइट और साउंड कम परफॉर्मेंस शो प्रस्तुत कर रहा है। अनिल कुमार लाहोटी महाप्रबंधक मध्य रेल ने कहा कि सीएसएमटी भारतीय रेल और संपूर्ण रेलवे बिरादरी का गौरव है. इस इमारत की विरासत और वास्तुकला का जश्न मनाने के लिए हम इस इमारत की पृष्ठभूमि पर एक अद्वितीय लाइट और साउंड परफॉर्मेंस शो का आयोजन कर रहे हैं।1900 में, इंडियन मिडलैंड रेलवे कंपनी का मध्य रेल के पूर्ववर्ती ग्रेट इंडियन पेनिनसुला रेलवे में विलय कर दिया गया था और इसकी सीमाओं को उत्तर में दिल्ली, उत्तर-पूर्व में कानपुर और इलाहाबाद और पूर्व में नागपुर से दक्षिण-पूर्व में रायचूर तक विस्तारित किया गया था। . इस प्रकार, बंबई से कनेक्शन के माध्यम से भारत के लगभग सभी हिस्सों से जुड़ गया था। जीआईपी का रूट माइलेज रेलवे 1,600 (2575 किमी) था। नवंबर 1951 में, निजाम राज्य, सिंधिया राज्य और धौलपुर राज्य रेलवे को एकीकृत करके मध्य रेलवे का गठन किया गया था।वर्तमान में,मध्य रेल में मुंबई, भुसावल, नागपुर, सोलापुर और पुणे 5 मंडल हैं । मध्य रेल का नेटवर्क महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और कर्नाटक राज्यों में 4,183 रूट किमी में फैला हुआ है।अनोखा लाइट एंड साउंड कम परफॉर्मेंस शो इस सप्ताह के अंत में निर्धारित है। यह शो 'नाट्यशास्त्र' के नौ रसों की विभिन्न भावनाओं के माध्यम से अपने इतिहास का चित्रण करेगा। सीएसएमटी भवन, रेलवे और देश के इतिहास के विभिन्न ऐतिहासिक प्रसंगों पर आधारित विभिन्न भावनाओं को सामने लाते हुए नृत्य, नाटक, संगीत, कविता और गायन प्रस्तुतियों के माध्यम से कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा। अब छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस हेरिटेज बिल्डिंग में थीम लाइटिंग सिस्टम के नए प्रकाश का आनंद लिया जा सकता है। हाल के दिनों में प्रतिष्ठित संरचना को रोशन करने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली तकनीक में एक बड़ा बदलाव आया है। एलईडी (आरजीबी और डब्ल्यू) रोशनी के उन्नत संस्करण का उपयोग किया जा रहा है जो शहर की संस्कृति और परंपरा की विविधता को व्यक्त करेगा। स्टेशन की इमारत को रोशन करने के लिए एलईडी फिटिंग की तकनीक का उपयोग किया गया है, जिसमें एक लाख से अधिक संयोजन रोशनी हैं। 134 साल पुराना छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (CSMT) लगभग 1100 लाइटों से जगमगा उठेगा। इन 1100 में से 450 से अधिक रोशनी की चमक पुरानी होने के कारण कम हो गई है। इन सभी 450 लाइटों की जगह नई तकनीक वाली एलईडी लाइटें लगाई गई हैं। "नवरसंगम - एक गाथा सीएसएमटी की", 70 कलाकारों द्वारा भारतीय सांस्कृतिक कैनवास को प्रदर्शित करेगा जो रेलवे कर्मचारी हैं।

मूल ऑडियो ट्रैक भी रेलवे कलाकारों की एक टीम द्वारा बनाया गया है।रोशनी, संगीत निर्माण और स्टूडियो रिकॉर्डिंग के क्षेत्र से कठोर पूर्वाभ्यास और पेशेवर इनपुट के बाद उत्पादन तैयार किया गया है। कलाकार मध्य रेल सांस्कृतिक अकादमी के तत्वावधान में प्रदर्शन करेंगे, जिसमें मुख्यालय, मंडलों और कारखानों की समावेशी भागीदारी होगी।

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।